



# भारत का राजापत्र

## The Gazette of India

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग 1—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 310] नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 10, 2010/अग्रहायण 19, 1932

No. 310] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 10, 2010/AGRAHAYANA 19, 1932

## वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 2010

## अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित बेरियम कार्बोनेट के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच ।

सं. 14/18/2009-डीजीएडी.—यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा जाएगा) तथा समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित बेरियम कार्बोनेट के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी ।

## क. मामले की पृष्ठभूमि

2. समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) तथा समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग की ओर से मै. अथिअप्पा केमिकल्स प्रा. लि., मै. एलक कैम इंडस्ट्रीज प्रा. लि., मै. प्रेम कैमिकल इंडस्ट्रीज तथा मै. विक्टरी कैमिकल्स लि. (जिन्हें आवेदक कहा गया है) से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें चीन जन.गण. (जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित “बेरियम कार्बोनेट” (जिसे आगे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया था ।

3. और यतः प्राधिकारी ने घेरू उद्योग की ओर से प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(1) के अनुसार आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने, जिसे यदि लागू किया जाएगा तो वह घेरू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, के लिए संबद्ध देश के मूल के या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 16 जून, 2009 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ।
4. प्राधिकारी ने 7 जनवरी, 2010 की प्रारंभिक जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना सं. 14/18/2009-डीजीएडी के तहत चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित "बेरियम कार्बोनेट" (आई टी सी एच एस उप शीर्ष 28366000 के अंतर्गत आने वाला) के संबंध में पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की । भारत सरकार ने 23 मार्च, 2010 की अधिसूचना सं. 37/2010-सी.शु. के तहत पाटनरोधी शुल्क लगाया था ।

#### **ख. प्रक्रिया**

5. इस कार्यवाही में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:
  - i. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं तथा घेरू उद्योग को 16 जून, 2009 की जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रति भेजी और उनसे जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया है ।
  - ii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों तथा भारत में संबद्ध देश के दूतावास को आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति उपलब्ध कराई ।
  - iii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरूआत के बारे में भारत में संबद्ध देश के दूतावास के इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वह निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें । निर्यातकों को भेजे गए पत्र तथा प्रश्नावली की एक प्रति भी ज्ञात निर्यातकों के नाम और पतों के साथ उनके पास भेजी गई थी ।
  - iv. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी द्वारा संगत सूचना मांगने के लिए संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं:

क्र.सं.	उत्पादक/ निर्यातक का नाम
1	क्यूयांगड़ाओ राइजिंग इनटल कं. लि.

2	अनहुई गारमेंट्स शॉप्स एंड कार्प इंडस्ट्रियल ग्रुप कं. लि.
3	हुनान मिन्ट इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
4	गुईझोऊ रेडस्टार डेवलपमेंट इंपोर्ट एक्सपोर्ट कं. लि.
5	हुनान मैक मशीनरी एंड इलेक्ट्रोनिक इंपो. एंड एक्सपो. कार्प.
6	हांगकांग जिंगजियू इंडस्ट्रियल कं. लि.
7	तियानजिन पोर्ट फ्री ट्रेड जोन एंड शॉगशुंग इंट. ट्रेड कं.
8	हुबेई जियांगशान चुटान बेरियम सॉल्ट कार्पर्म. लि.
9	चाइना हाओहुआ कैमिकल इंडस्ट्री ग्रुप टियानझोऊ जियानजी बेरियम कं. लि.
10	शांग इंटेल ट्रेड कं.
12	कैमिस्की कं. लि.

v उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में संबद्ध देश के निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने उत्तर दिया है:

क्र.सं.	उत्पादक/ निर्यातक का नाम
1	मै. गुईझोऊ होंगताई कैमिकल कं. लि.
2	मै. अनहुई गारमेंट्स शॉप्स एंड कैप्स इंडस्ट्रियल (ग्रुप) कं.
3	मै. हुआन वांगफेंग कैमिकल कं. लि.
4	मै. हुआन मिन्ट इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
5	मै. गुईझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग कं. लि.
6	मै. गुईझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग डालोंग मांगेनसे इंडस्ट्री कं. लि.
7	मै. गुईझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
8	मै. गांगझोऊ कैमिकल इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन
9	मै. चाइना हाओहुआ कैमिकल इंडस्ट्री ग्रुप, तियानझोऊ कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि. (तियानझोऊ)
10	मै. हुबेई जियांगशान चुटियान बेरियम सॉल्ट कार्प.

vi पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत, में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं:

क्र.सं.	आयातक का नाम	क्र.सं.	निर्यातक का नाम
1	मै. गुजरात अल्कलीज एंड कैमिकल लि.	13	मै. डी सी डब्ल्यू लि.
2	मै. हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लि.	14	मै. प्रतीक कैमिकल्स
3	मै. हिंद लैम्पस	15	मै. सरल कैम.
4	मै. वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लि.	16	मै. मारुथी कैमिकल कंपनी

5	मै. यूनाइटेड कैमिकल इंडस्ट्रीज	17	मै. देवांगशी इम्पैक्स (प्रा.) लि.
6	मै. स्पार्कलिंग ट्रेडर्स (प्रा.) लि.	18	मै. लाओपाला रजि. लि.
7	मै. मिनरल उद्योग	19	मै. कृष्ण एसोसिएट्स
8	मै. डीसीएम श्रीराम कन्सोलिडेटेड लि.	20	मै. ओम ग्लास वर्क्स (प्रा.) लि.
9	मै. रिलायंस इंडस्ट्रीज लि.	22	मै. यूनाइटेड कैमिकल इंडस्ट्रीज
10	मै. तमिलनाडु पेट्रो प्रोडक्ट्स लि.	22	मै. रिषी इंटरप्राइजेज
11	मै. श्री कृष्ण फायरवर्क्स	23	मै. प्रकाश कैमिकल्स एजेंसीज
12	मै. जयश्री कैमिकल्स	24	मै. पिरामल ग्लास लि.

vii भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित आयातकों से अयातक प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त हुआ है:

मै. सरल कैम., मुंबई; मै. तिरुपति इंडस्ट्रीज, अलवर; मै. डी सी डब्ल्यू लि.; श्री कृष्ण कैमिकल इंडस्ट्रीज, शिव काशी एवं मै. श्री राम विनायल एंड कैमिकल इंडस्ट्रीज, कोटा।

अल्कली: मैन्युफैक्चरर्स एसो. आफ इंडिया ने अन्य बातों के साथ-साथ संबद्ध वस्तु के प्रयोक्ता के रूप में अपनी रुचि व्यक्त की और यह बताया कि चीन से बेरियम कार्बोनेट के आयात देश में लघु विनिर्माताओं द्वारा उत्पादित घटिया गुणवत्ता के कारण किए जा रहे हैं। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि एसोसिएशन के दावे की पुष्टि किसी साक्ष्य द्वारा नहीं की गई है।

#### मै. स्कॉट ग्लास इंडिया प्रा. लि. द्वारा प्रस्तुत विलंबित उत्तर

मै. स्कॉट ग्लास इंडिया प्रा. लि.ने यह दावा करते हुए निर्धाति समयावधि के काफी बाद उत्तर दायर किया कि कंपनी को प्रारंभिक जांच परिणाम जारी होने के बाद ही बेरियम कार्बोनेट से संबंधित वर्तमान पाटनरोधी जांच के बो में जानकारी मिली और इस प्रकार वे निर्धारित अवधि के भीतर कोई उत्तर नहीं दायर कर सके।

#### घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

घरेलू उद्योग ने कार्यवाही के इतने अधिक विलंबित चरण पर कोई उत्तर स्वीकार करने का विरोध किया है और यह कहा है कि इस संबंध में कोई भी औचित्य पर्याप्त नहीं है और यह तर्क दिया है कि इसे इस आधार पर स्वीकार नहीं किया जा सकता कि कंपनी को प्रारंभिक जांच परिणाम जारी होने के बाद ही चल रही कार्यवाही के बारे में जानकारी मिली और यह कि दिया गया विवरण झूठा और गढ़ा हुआ है जिसे केवल उत्तर स्वीकार कराने के बहाने के तौर पर दिया गया है। आगे यह बताया गया है कि हितबद्ध पक्षकारों को समय पर उत्तर प्रस्तुत करने चाहिए।

## प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्धारित समय तक उत्तर प्रस्तुत करने की जिम्मेवारी प्रत्येक हितबद्ध पक्षकार की होती है। तथापि, यह विचार करते हुए कि यह जांच पूरी करने के लिए समय विस्तार प्राप्त किया गया था, उनके अनुरोधों की भी जांच की गई है।

- viii बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार (एम ई टी) संबंधी प्रश्नावली समस्त ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों तथा नई दिल्ली स्थित चीन जन.गण. के दूतावास को भेजी गई थी। जांच की शुरुआत के प्रयोजनार्थ चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य पर चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तु की परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर विचार किया गया था क्योंकि आवेदक ने यह तर्क दिया था कि बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के लिए सूचना उनके पास उपलब्ध नहीं है। इस दावे का किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने विरोध नहीं किया है। प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों को यह सूचित किया कि उसका प्रस्ताव पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के मद्देनजर आवेदकों के दावे की जांच करने का है। अतः चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों से यह अनुरोध किया गया था कि वे पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध के पैरा 8 के उप पैरा (3) में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें ताकि प्राधिकारी इस बात पर विचार कर सकें कि क्या चीन जन.गण. के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया जाए।
- ix प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया और उसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षणार्थ खुला रखा;
- x जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तु के आयात के ब्यौरों की व्यवस्था करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी.जी.सी.आई.एंड.एस) से अनुरोध किया गया था।
- xi. प्राधिकारी ने अधिनियम एवं पाटनरोधी नियमावली को ध्यान में रखते हुए 7 जनवरी, 2010 की अधिसूचना सं. 14/18/2009-डीजीएडी के तहत संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क 23 मार्च, 2010 की सी.शु. अधिसूचना सं. 37/2010-सी.शु. के तहत लगाया गया था।
- xii. घरेलू उद्योग और सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना और आंकड़ों के संबंध में आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था।

xiii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने 22 अप्रैल, 2010 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए सभी हितबद्ध पक्षकारों को अवसर भी प्रदान किया। सार्वजनिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उनके लिखित अनुरोध दायर करने का आग्रह किया गया था। हितबद्ध पक्षकारों को विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों पर उत्तर दायर करने का अवसर प्रदान किया गया था। हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित अनुरोधों/उत्तरों में दिए गए तर्कों पर इस जांच परिणाम में जहां संगत पाया गया है, विचार किया गया है।

xiv. पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा विचारित आवश्यक तथ्यों का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को किया गया है और उस पर प्राप्त टिप्पणियों पर जहां संगत पाया गया है, इस अंतिम जांच परिणाम में विधिवत विचार किया गया है।

xv. आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की ईष्टतम उत्पादन लागत तथा उसे बनाने और बेचने की लागत निकाली गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

xvi. यह जांच 1 अप्रैल, 2008 से 31 मार्च, 2009 तक की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2005-मार्च, 2006, अप्रैल, 2006-मार्च, 2007, अप्रैल 2007-मार्च, 2008 की अवधि और जांच अवधि शामिल थी।

xvii. जहां किसी हितबद्ध पक्षकार ने आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है अथवा वर्तमान जांच की कार्रवाई के दौरान उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सूचना/आंकड़े दर्ज किए हैं।

xviii. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना की जांच गोपनीयता के दावों की पर्याप्ता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने जहां अपेक्षित समझा गया है, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां कहीं संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।

xix \*\*\* यह चिन्ह इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी पाटनरोधी नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है ।

#### ग. प्रकटन विवरण पर प्राप्त टिप्पणियां

हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई टिप्पणियों का संक्षिप्त ब्यौरा और जिस सीमा तक उन्हें इस विषय से संबंधित पाया गया है, इस प्रकार है :

#### 6. घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटीकरण पश्चात की गई टिप्पणियां

6.1 विचाराधीन उत्पाद : घरेलू उद्योग ने दोहराया है कि उसने यह साक्ष्य भी प्रस्तुत किया है कि बेरियम कार्बोनेट के दानेदार रूप का उत्पाद भारत में भी किया जाता है । मै. सॉल्वे विष्णु बेरियम प्रा.लि. द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना से सिद्ध होता है कि कंपनी विचाराधीन उत्पाद के दानेदार रूप का विनिर्माण करती थी । तथापि, कंपनी को उतनी अधिक क्षति हुई है कि उसे जांच अवधि के दौरान दानेदार ग्रेड का उत्पादन बंद करना पड़ा था ।

6.2 सामान्य मूल्य एवं पाटन मार्जिन : यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि प्राधिकारी द्वारा कच्चे माल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर विचार करने की पद्धति अपनाई जानी चाहिए न कि घरेलू उद्योग की कमतर कीमत पर विचार करने की ।

6.3 कीमत अभिवचन पेशकश : घरेलू उद्योग ने तर्क प्रस्तुत किया है कि मै. गुर्ज़ाउ रेडस्टार डेवलपिंग कं. लि. तथा मै. गुर्ज़ाउ रेडस्टार डेवलपिंग डेलांग मैंगनीज इंडस्ट्रीज कं. लि: द्वारा की गई कीमत अभिवचन पेशकश को प्राधिकारी द्वारा अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए क्योंकि कंपनियों के प्रचालनों में राज्य के हस्तक्षेप के कारण चीन के निर्यातकों के एम ई टी दावे स्वीकार नहीं किए गए हैं और आगे यह तर्क भी दिया गया है कि राज्य का हस्तक्षेप इतना है कि यदि कीमत अभिवचन स्वीकार कर लिया जाता है तो उपायों से बचा जाना अवश्यंभावी है । राज्य कंपनी को चीन के अन्य आपूर्तिकर्ताओं के ऑर्डर/व्यवसाय लेने का निर्देश दे सकता है और देगा और राज्य के कहने/निर्देश देने पर चीन के विभिन्न उत्पादकों के व्यवसाय के बीच तालमेल स्पष्ट रूप से किया जा सकता है ।

6.4 निर्धारित मात्रा के आधार पर शुल्क : यह तर्क दिया गया है कि पाटनरोधी शुल्क केवल पाटनरोधी शुल्क की निर्धारित मात्रा (शुल्क का निर्धारित रूप) के रूप में लगाया जाए जिसे शुल्क अम.डॉलर/किग्रा. के रूप में व्यक्त किया जाए ।

अम.डॉलर में शुल्क : यह निवेदन किया गया है कि शुल्क केवल अम.डॉलर में लगाया जाए ।

## 7. प्रकटीकरण विवरण-पश्चात मै. स्कॉट ग्लास इंडिया प्रा. लि. द्वारा की गई टिप्पणियां

7.1 घरेलू उद्योग का आधार : यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि आवेदकों के अधिकार का निर्धारण करते समय तीन वर्गों के उत्पादकों को समूहबद्ध किया गया है : आवेदक, उत्पादक, जिन्होंने जांच शुरूआत से पूर्व समर्थन पत्र प्रस्तुत किया था और उत्पादक, जिन्होंने जांच शुरूआत के बाद समर्थन पत्र दिए थे । प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद जिन उत्पादकों ने प्राधिकारी से संपर्क किया था उन्हें यह ज्ञात करने के लिए कि क्या "आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से प्रस्तुत किया गया था । यह ज्ञात करते समय कि आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से प्रस्तुत किया गया, जांच शुरूआत के बाद जिन समर्थनकर्ताओं ने स्वयं को प्रस्तुत किया, उन्हें शामिल करने पर विचार किया जाए ।"

7.2 आगे यह तर्क भी दिया गया है कि कानून केवल उन घरेलू उत्पादकों को मान्यता देता है जो क्षति का ब्यौरा देते हुए पूर्ण समर्थन देते हैं न कि उन्हें जो मात्र समर्थन पत्र देकर मात्र समर्थन देते हैं । जो याचिका का समर्थन करते हैं, उन्हें क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में पूरा ब्यौरा प्रस्तुत करना चाहिए । जो ऐसा पूरा ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराते, उन्हें असहयोगी घरेलू उत्पादक माना जाना चाहिए और उन पर आधार, क्षति आदि के निर्धारण के प्रयोजनार्थ विचार नहीं किया जाना चाहिए । अतः याचिकाकर्ता के आधार का निर्धारण भारत में सभी उत्पादकों के उत्पादन की तुलना में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए उत्पादन के आधार पर किया जाना चाहिए ।

7.3 यह तर्क दिया गया है कि सॉल्वे विष्णु बेरियम द्वारा ग्रेन्यूलर ग्रेड के उत्पादन को घरेलू उद्योग द्वारा किया गया उत्पादन माना गया है । यद्यपि घरेलू उद्योग की परिभाषा में केवल याचिकाकर्ताओं को शामिल माना गया है, तथापि तर्कसंगत बात यह है कि ग्रेन्यूलर ग्रेड का कोई घरेलू उत्पादक ही नहीं था । सॉल्वे विष्णु द्वारा ग्रेन्यूलर बेरियम कार्बोनेट का उत्पादन नहीं किया जा रहा था और उन्होंने गोपनीय अटैचमेंट के रूप में एक ई-मेल से पत्र भेजा था जिसमें कहा गया था कि सॉल्वे ग्रेन्यूलर ग्रेड का उत्पादन करने के इच्छुक नहीं है जब तक वह कम से कम 1000 मी.टन का उत्पादन न करें । ग्रेन्यूलर ग्रेड की कम मांग और सॉल्वे की कड़ी कंपनी नीतियों के कारण उत्पादन में कमी आना स्वाभाविक था । किसी भी स्थिति में सॉल्वे विष्णु का यह दावा नहीं माना जा सकता कि उत्पादन में गिरावट पाटन के कारण हुई है, क्योंकि उत्पादन में गिरावट के लिए केवल पाटन को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है ।

7.4 इसके अलावा धारा 9 ख (ii) के अनुसार क्षति का निर्धारण घरेलू उद्योग के संदर्भ में किया जाना चाहिए । नियम 2(ख) में यथापरिभाषित घरेलू उद्योग शब्द में सभी घरेलू उत्पादक अथवा वे उत्पादक शामिल होंगे जिनका कुल घरेलू उत्पादन में प्रमुख अनुपात है । इस मामले में याचिकाकर्ताओं का प्रमुख अनुपात नहीं है, जिसका ब्यौरा निम्नानुसार है :

- क. आवेदक : 12,053 मी.टन (46%)
- ख. उत्पादक, जिन्होंने जांच शुरूआत से पूर्व समर्थन पत्र प्रस्तुत किए : 8,189 मीट्रिक टन ।
- ग. उत्पादक, जिन्होंने जांच शुरूआत के बाद समर्थन पत्र प्रस्तुत किए : 5,959 मीट्रिक टन ।

यह तर्क दिया गया है कि 46% प्रमुख अनुपात नहीं है। प्रमुख अनुपात हेतु कम से कम 50% अपेक्षित है।

7.5 ग्रेन्यूलर ग्रेड का अपवर्जन : यह दोहराया गया है कि ग्रेन्यूलर ग्रेड को वर्तमान जांच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। जहां तक सॉल्वे विष्णु बेरियम का संबंध है, उन्होंने जांच की शुरूआत के समय जांच का स्पष्ट रूप से समर्थन नहीं किया था और क्षति से संबंधित दावे के समर्थन में कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। अतः उन्हें घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जा सकता। उन्होंने प्राधिकारी को जो सूचना उपलब्ध कराई है, वह केवल उत्पादन आंकड़े हैं। यह सूचना भी प्राधिकारी को हाल ही में उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा, इस बात का खंडन नहीं किया गया है कि बेरियम कार्बोनेट के ग्रेन्यूलर ग्रेड का उत्पादन केवल सॉल्वे द्वारा किया जाता है और "घरेलू उद्योग" में शामिल अन्य उत्पादक ग्रेन्यूलर ग्रेड का उत्पादन नहीं करते हैं। चूंकि घरेलू उद्योग द्वारा ग्रेन्यूलर ग्रेड का उत्पादन नहीं किया गया है, अतः ग्रेन्यूलर ग्रेड के आयात से उसे क्षति नहीं हो सकती।

7.6. व्युत्क्रम प्रतिस्थापनीयता : जहां तक ग्रेन्यूलर ग्रेड की पाउडर ग्रेड से प्रतिस्थापनीयता का संबंध है, प्रकटीकरण विवरण में ऐसी स्थिति की केवल कल्पना की गई है जिसमें पाउडर ग्रेड के स्थान पर ग्रेन्यूलर ग्रेड का उपयोग किया जा सकता है परंतु इसकी विलोम स्थिति सच नहीं है। ग्रेन्यूलर ग्रेड के स्थान पर पाउडर ग्रेड को प्रतिस्थापित/प्रयुक्त करना संभव नहीं है, क्योंकि अंतिम प्रयोक्ता उद्योग को विशेष ग्लास तथा ट्यूबों के उत्पादन हेतु ग्रेन्यूलर ग्रेड की आवश्यकता होती है।

7.7 सामान्य मूल्य एवं पाटन मार्जिन का परिकलन : यह तर्क दिया गया है कि संरचित सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु कच्चे माल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों, परिवर्तन लागत, कार्यक्षम घरेलू उत्पादक के एस जी ए व्यय आदि पर विचार किया गया है, हालांकि अंतर्राष्ट्रीय कीमतें प्रकट नहीं की गई हैं। यहां तक कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध बुनियादी जानकारी जैसे प्रयुक्त कच्चा माल और उसकी कीमतों का स्रोत, परिवर्तन लागत और सूचीबद्ध एसजीए व्यय भी प्रकट नहीं किए गए हैं।

7.8 असहयोगी निर्यातकों हेतु निर्धारित पाटन मार्जिन : सहयोगी निर्यातकों हेतु निर्धारित पाटन मार्जिन 200 से 250% के बीच है जबकि असहयोगी निर्यातकों हेतु पाटन मार्जिन 600 से 630% के बीच बनती है। स्कॉट ग्लास, जो एक आयातक है, न केवल सहयोगी निर्यातकों से संबंधित हैं बल्कि असहयोगी निर्यातकों से भी संबंधित हैं। इतनी अधिक पाटन मार्जिन तभी व्युत्पन्न की जा सकती है जब प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध सभी तथ्यों पर विचार

किया गया है। नियम 6(8) में स्पष्ट रूप से उपबंधित है कि निर्यातकों द्वारा असहयोग की स्थिति में जांच परिणाम "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर तैयार किए जाने हैं, न कि उपलब्ध "प्रतिकूल" तथ्यों के आधार पर।

मै. हुबेर्झ जिंगशान चुटियान बेरियम साल्ट कार्पो. लि. द्वारा प्रकटीकरण पश्चात की गई टिप्पणियां

7.9 मै. हुबेर्झ जिंगशान चुटियान बेरियम साल्ट कार्पो. लि. ने यह तर्क दिया है कि वह मूल प्रश्नावली के चरण; पूरक प्रश्नावली चरण, सत्यापन चरण सहित जांच की सभी प्रक्रियाओं में सहयोग करते रहे हैं और उन्होंने पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराया है। यह तर्क दिया गया है कि एम ई टी तथा निर्यातक प्रश्नावली में विशेष रूप से स्थापना की तारीख बताने का कोई विशिष्ट प्रश्न/अनुरोध नहीं किया गया है। इन दोनों प्रश्नावलियों में दिए गए प्रश्न कंपनी के वर्तमान रूप, कानूनी स्थिति तथा निर्यातक के पिछले तीन वर्षों की शेयर होल्डिंग संरचना पर केन्द्रित हैं न कि 20 वर्ष पहले की इसकी पूर्ववर्ती कंपनी के बारे में।

7.10 आगे यह तर्क भी दिया गया है कि चुटियान की स्थापना की तारीख जो व्यवसाय प्रमाण पत्र यदि कोई हो, में दर्ज तारीख से इतर हो, को कानूनी दृष्टि से वैध नहीं माना जाना चाहिए। वर्ष 1987 में सांगहे में जिस कारखाने की स्थापना की गई थी वह एक संयुक्त स्वामित्व का उद्यम था न कि एस ओ ई था और यह कि चुटियान के इतिहास के बारे में कोई वास्तविक तथ्य जांच प्राधिकारी से छिपाया नहीं गया है।

मै. सरल केम द्वारा प्रकटीकरण-पश्चात की गई टिप्पणियां

7.11 यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि जांच अवधि के दौरान कुछेक समर्थक पार्टियों (स्थानीय विनिर्माताओं) ने आयातित सामग्री की बिक्री कीमत से कम कीमत पर वस्तुओं की बिक्री की है। घरेलू विनिर्माताओं के बीच आंतरिक प्रतिस्पर्धा अत्यधिक है जिसके कारण विचाराधीन उत्पाद की कीमत कम थी। यदि कुछेक घरेलू विनिर्माता सामग्री की बिक्री इतनी कम कीमत पर करने की स्थिति में हैं, तो इस संबंध में गहन जांच की जानी जरूरी है। इसी समय वे लगभग 50% अधिक कीमत पर भी इस सामग्री की बिक्री कर सकते थे।

7.12 यह तर्क दिया गया है कि बेरियम कार्बोनेट के अतिम प्रयोक्ताओं को आम तौर पर घरेलू विनिर्माताओं से अनियमित आपूर्ति की शिकायत रहती है। इसे ध्यान में रखकर उन्होंने स्वयं बेरियम कार्बोनेट का आयात करना शुरू कर दिया है। घरेलू विनिर्माताओं द्वारा बेरियम कार्बोनेट की अनियमित आपूर्ति से आपूर्ति की कृत्रिम कमी उत्पन्न होती है, जिसकी इस उत्पाद की कीमतों में अनुचित घट-बढ़ में होती है, जो बेरियम कार्बोनेट की खपत करने वाले उद्योगों के लिए नुकसानदेह है।

7.13 यह तर्क दिया गया है कि बेरियम कार्बोनेट का विनिर्माण करने वाले घरेलू उद्योगों के पास उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने की उत्पादन क्षमता नहीं है। आवेदकों तथा

समर्थक आवेदकों की विनिर्माण क्षमता बेरियम कार्बोनेट के घरेलू उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप नहीं है ।

### 8. प्राधिकारी द्वारा जांच

8.1 प्रकटीकरण विवरण के उत्तर में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों की जांच निम्नानुसार तथा इस जांच परिणाम के संगत खंडों में की गई है ।

8.2 जहां तक घरेलू उद्योग के आधार का संबंध है, मै. स्कॉट ग्लास इंडिया प्रा.लि. ने माना है कि आवेदकों का भारत में बेरियम कार्बोनेट के कुल उत्पादन में 46% का योगदान है, जो पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार कुल घरेलू उत्पादन में प्रमुख अनुपात है । इसके अलावा पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) में अपेक्षा की गई है कि प्राधिकारी उप नियम (1) के अंतर्गत प्रस्तुत आवेदन के अनुसरण में जांच की शुरूआत तब तक नहीं करेंगे जब तक वह समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों द्वारा आवेदन के समर्थन अथवा विरोध की सीमा के जांच के आधार पर यह निर्धारण नहीं कर लेते हैं कि आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से किया गया है और आवेदन का स्पष्ट रूप से समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादकों का घरेलू उद्योग द्वारा समान वस्तु के कुल उत्पादन में 25% से अधिक का योगदान है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि बेरियम कार्बोनेट के कुल घरेलू उत्पादन में आवेदकों का हिस्सा लगभग 46% का है और यह भी नोट करते हैं कि किसी भी घरेलू उत्पादक ने आवेदन का विरोध नहीं किया है और इस प्रकार पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार "आधार" की अपेक्षा पूर्णतः संतुष्ट होती है ।

8.3 जहां तक ग्रेन्यूलर ग्रेड के अपवर्जन का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि बेरियम क्लोराइड के ग्रेन्यूलर ग्रेड का विनिर्माण भारत में किया जा रहा है । इसके अलावा पाटनरोधी नियमावली में, विशेष रूप से पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में प्राधिकारी से अन्य बातों के अलावा पाटित आयातों की मात्रा की जांच तथा समान वस्तु के घरेलू बाजार पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की जांच द्वारा क्षति का निर्धारण करने की अपेक्षा की गई है । इसके अलावा, यदि ग्रेन्यूलर रूप को पाटनरोधी उपायों के दायरे से बाहर रखा जाता है तो यह उपाय के प्रभाव को निष्प्रभावी कर देगा क्योंकि पाटित कीमतों पर ग्रेन्यूलर रूप का आयात किया जाता रहेगा और परिणामतः घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचेगी । रसायन एवं पेट्रो रसायन विभाग से प्राप्त पत्र, कि "बेरियम कार्बोनेट के दानों को पल्वराइजेशन द्वारा पाउडर में परिवर्तित किया जा सकता है" इस विचार का समर्थन करता है ।

8.4 जहां तक सामान्य मूल्य एवं पाटन मार्जिन की गणना का संबंध है, इसकी विधि की विधिवत जानकारी निर्यातकों को दे दी गई थी । कच्चे माल अर्थात बेराइट्स, लाइमस्टोन, कोयला आदि की अंतर्राष्ट्रीय कीमतें ढी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों से प्राप्त की गई थीं । ग्रेन्यूलर तथा पाउडर ग्रेड के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण अलग-अलग किया गया है ।

8.5 जहां तक असहयोगी निर्यातकों हेतु निर्धारित पाटन मार्जिन का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संगत प्रावधानों में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि असहयोग की परिणति "उपलब्ध तथ्यों" पर आधारित प्रतिकूल हस्तक्षेप में हो सकती है।

8.6 जहां तक मै. हुबेर्झ जिंगशान चुटियान बेरियम साल्ट कार्पोरेशन लि. द्वारा किए गए निवेदनों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने यह प्रकट नहीं किया कि इसकी स्थापना 1987 में एक सामूहिक स्वामित्व के उद्यम के रूप में की गई थी, जबकि निर्यातक प्रश्नावली के भाग सामान्य-क में शुरुआत में ही अन्य बातों के अलावा यह सूचना मांगी गई है कि कंपनी की स्थापना कब की गई। कंपनी ने न केवल यह तथ्य छिपाया, बल्कि इसे स्पष्ट करने का अवसर प्रदान किए जाने के बावजूद जिस प्रकार इसमें परिवर्तन/सुधार किया गया, उसका तरीका प्रकट नहीं किया गया।

8.7 जहां तक इस मुद्दे का संबंध है कि मांग को पूरा करने की क्षमता आवेदकों के पास नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली में यह अपेक्षा नहीं की गई है कि पाटन के कारण आवेदक घरेलू उद्योग को हो रही क्षति के निवारण से पूर्व उसे मांग को पूरा अवश्य करना है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू विनिर्माताओं द्वारा अनियमित आपूर्ति के दावे का कोई प्रमाण मै. सरली केम ने प्रस्तुत नहीं किया है।

8.8 जहां तक एक घरेलू विनिर्माता द्वारा पहुंच कीमत से कम कीमत पर की गई बिक्री का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी उद्यम को यह विकल्प उपलब्ध है कि वह बिक्री को गंवाकर मात्रा के रूप में उसके प्रभाव को समाहित करे अथवा प्रभाव को कीमत में समाहित करके कीमत को उसके अनुरूप रखे। तथापि, कतिपय परिस्थितियों में प्रभाव, मात्रा तथा कीमत दोनों पर हो सकता है।

8.9 जहां तक प्रस्तावित उपायों के स्वरूप का संबंध है, अनंतिम शुल्क की संस्तुति निर्धारित रूप में तथा अम.डॉलर में की गई थी। अंतिम जांच परिणाम में भी यही पद्धति अपनाए जाने का प्रस्ताव है।

घ. विचाराधीन उत्पाद तथा घरेलू समान वस्तु

9. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण. के मूल का या वहां से निर्यातित "बेरियम कार्बोनेट" है (जिसे आगे "संबद्ध उत्पाद" या "संबद्ध वस्तु" या "विचाराधीन उत्पाद" भी कहा गया है)।

बेरियम कार्बोनेट बेरिट्स, जो एक खनिज उत्पाद है, से विनिर्मित सफेद पाउडर या दानों के रूप में एक नुकसानदायक, अप्रज्ञवलनशील अकार्बनिक रसायन है, जिसका रासायनिक सूत बीएसीओ<sub>3</sub> है। बेरियम कार्बोनेट के निम्नलिखित अनुप्रयोग हैं:

(क) कास्टिंग सोडा उद्योग में ब्राइम घोल का शोधन।

(ख) हार्ड फैरिट रिंग मैग्नेट, टेलीविजन ग्लास सैल, न्यूट्रल ग्लास, लैम्प, ताप उपचार लवण तथा अन्य बेरियम लवण, चूहा मारने वाले जहर, सिरेमिक चमक तथा वैलिंग फ्लक्स के उत्पादन में

(ग) फ्लैक्स, मैटिंग तथा क्रिस्टेलाइजिंग एजेंट के रूप में कार्य करता है और अन्य साधनों द्वारा आसानी से प्राप्तव्य अद्भुत रंगों का उत्पादन करने के लिए इसे कुछेक रंजक ऑक्सीइडों में मिलाया जाता है ।

(घ) कच्ची सामग्री में विलेय सत्प्यूरिक लवणों को अविलेय बेरियम सल्फेट में परिवर्तित करने के उसके गुणधर्म के कारण हेवी क्ले के सिरेमिक उत्पादों के विनिर्माण में

(ङ) ईंटों, टाइलों, मिट्टी के बर्तनों तथा बर्तन उद्योगों में बेरियम कार्बोनेट को प्रेसीपिटेट विलेय लवणों (कैल्शियम तथा मैग्नेशियम सल्फेट्स) हेतु मिट्टी में मिलाया जाता है जिससे चमक पैदा होती है ।

10. संबद्ध वस्तु अधिनियम के अध्याय 28 के उप शीर्ष सं. 28366000 के अंतर्गत आती है। तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है ।

#### हितवद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दे

11. मै. गुर्ज़ाऊ रैड स्टार डेवलपिंग कंपनी लि. (रैड स्टार) ने यह अनुरोध किया है कि वे विचाराधीन उत्पाद के तीन ग्रेडों- कैल्चीनेड ग्रेन्यूल (उच्च मूल्य), कमपैक्टेड ग्रेन्यूल तथा पाउडर (कम मूल्य) का उत्पादन करते हैं। मै. रैड स्टार द्वारा गुर्ज़ाऊ रैड स्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लि., जो उनकी सहायक कंपनी है, के जरिए भारत को केवल पाउडर ग्रेड का निर्यात किया जाता है। अतः मै. रैड स्टार ने तर्क दिया है कि विचाराधीन उत्पाद की तुलना ग्रेडवार की जानी चाहिए ।
12. मै. होबाई जिंगशान चुटियान बेरियम साल्ट कार्पो. ने बताया है कि वे तीन प्रकार के बेरियम कार्बोनेट अर्थात लाइट प्राउडर, तरल तथा ड्राई ग्रेन्यूल का उत्पादन करते हैं और यह कि कंपनी ने भारत को केवल लाइट प्राउडर बेरियम कार्बोनेट का भी निर्यात किया है ।
13. मै. स्कॉट ग्लास इंडिया प्रा.लि. ने यह तर्क दिया है कि पाउडर ग्रेड भेषजीय ग्लास ट्यूब बनाने के लिए उपयुक्त नहीं है और यह कि घरेलू उद्योग ग्रेन्यूलर बेरियम कार्बोनेट का विनिर्माण नहीं कर रहा है और भारत में ऐसा कोई अन्य स्रोत नहीं है जो ग्रेन्यूलर ग्रेड की मांग को पूरा कर सके औ इसलिए उसे वर्तमान जांच के दायरे से अलग रखा जाना चाहिए ।

## घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

14. आवेदकों ने यह दावा किया है कि उनके द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के बीच ऐसा कोई ज्ञात अंतर नहीं है जिसका कीमत, उपयोग, गुणवत्ता आदि पर प्रभाव पड़ सकता हो। आवेदकों ने यह भी दावा किया है कि उनके द्वारा और विदेशी उत्पादकों द्वारा प्रयुक्त प्रौद्योगिकी तथा प्राथमिक उत्पादन प्रक्रिया तुलनीय है।
15. घरेलू उद्योग ने आगे यह तर्क दिया है कि तीनों रूपों का उत्पादन भारत में किया जा रहा है और ग्रेन्यूड रूप में क्षति इतनी अधिक थी कि मै. सोल्वे को अपना संयंत्र बंद करने के लिए बाध्य होना पड़ा था। यह तर्क दिया गया है कि दूसरे मामलों को तरजीह देना निराधार है क्योंकि उन मामलों में ऐसा कोई घरेलू विनिर्माता नहीं था जो किसी विशेष प्रकार का उत्पादन कर रहा हो। तथापि, इस मामले में उत्पाद का विनिर्माण भारत में हो रहा है।
16. मै. स्कॉट ग्लास इंडिया प्रा. लि. के अनुरोधों के उत्तर में घरेलू उद्योग ने यह निवेदन किया है कि संबद्ध वस्तु के ग्रेन्यूलर रूप की खपत उन उपभोक्ताओं द्वारा आसानी से की जा सकती है जिन्हें अन्यथा पाउडर रूप की जरूरत होती है। संबद्ध वस्तु के सौदेवा आयात के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए यह बताया गया है कि उनके अवलोकन से यह पता चलेगा कि बेरियम कार्बोनेट के ग्रेन्यूल तथा पाउडर रूप के बीच कीमत में काफी अंतर है। वस्तुतः वर्तमान पाटनरोधी शुल्क लागू हो जाने के बाद यह देखा जाएगा कि ग्रेन्यूलर रूप के आयातों की पहुंच कीमत पाउडर रूप की कीमत से कम हो जाएगी। यदि ग्रेन्यूलर रूप को इससे अलग रखा जाता है। इस प्रकार ग्रेन्यूलर रूप के संभावित अपवर्जन का तात्पर्य यह होगा कि ग्रेन्यूलर रूप पाउडर रूप से सस्ता होगा। चूंकि ग्रेन्यूलर रूप का उपयोग पाउडर रूप के स्थान पर किया जा सकता है इसलिए इसका तात्पर्य यह होगा कि पाटन जारी रहता है और घरेलू उद्योग को क्षति भी जारी रहती है। इस प्रकार संबद्ध वस्तु के ग्रेन्यूलर रूप के किसी अपवर्जन से प्रस्तावित उपाय पूर्णतः बेकार हो जाएंगे। आगे यह तर्क दिया गया है कि यदि ग्रेन्यूलर रूप पाउडर रूप से सस्ता हो जाता है तो यह साधारण व्यापार का मामला बन जाएगा, जिससे उपभोक्ता ग्रेन्यूलर ग्रेड का उपयोग करना शुरू कर देंगे। इस प्रकार प्रतिस्थापनीयता निर्विवादित है और इसीलिए अपवर्जन का पुरजो विरोध किया जाता है। आगे यह बताया गया है कि बेरियम कार्बोनेट के ग्रेन्यूलर और पाउडर दोनों ग्रेडों का सी.शु. वर्गीकरण एक ही है।
17. घरेलू उद्योग ने बेरियम कार्बोनेट के संबंध में प्राधिकारी का ध्यान यू.एस आई टी सी पाटनरोधी निर्धारण की ओर भी आकर्षित किया है और यह तर्क दिया है कि उत्पाद के दायरे में दोनों रूप अर्थात ग्रेन्यूलर और पाउडर शामिल थे। यद्यपि अमीकी उद्योग ग्रेन्यूलर रूप का उत्पादन नहीं कर रहा था। आई टी सी ने यह पाया कि बेरियम कार्बोनेट के ग्रेन्यूलर और पाउडर, दोनों रूपों का उपयोग विशिष्टतायुक्त ग्लास में किया जाता है। अंतिम ग्राहकों तक प्रतिस्थापनीयता की व्यावहारिक सीमा अल्पावधिक

होती है और लागत एवं कीमत में अंतर न्यायोचित होने पर बेरियम कार्बोनेट के किसी भिन्न रूप या ग्रेड को समायोजित करने के लिए उत्पादन प्रक्रिया में संशोधन किया जा सकता है । अंतिम प्रयोग एवं दोनों रूपों के बीच प्रतिस्थापनीयता में अत्यधिक घालमेल है ।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

18. मै. सोल्वे विष्णु बेरियम प्रा.लि. के अनुरोधों से यह देखा जाता है कि वे संबद्ध वस्तु के ग्रेन्यूलर रूप का भारी मात्रा में विनिर्माण करते हैं । इसके अलावा, उन्होंने चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण अपने उत्पादन और बिक्री में अत्यधिक गिरावट आने का दावा भी किया है । इस प्रकार इस तर्क में कोई दम नहीं है कि संबद्ध वस्तु के ग्रेन्यूलर रूप को इस जांच के दायरे से अलग रखे जाने की जरूरत है ।
19. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में निम्नानुसार उपबंध है: -

"समान वस्तु" का अर्थ एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हों;

20. जहां तक भारतीय बाजार में निर्यातकों द्वारा बेचे गए उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा बेचे गए उत्पाद के बीच संभावित अंतर का संबंध है, यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तु की भौतिक विशेषताओं में कोई अंतर अर्थात् ग्रेन्यूल या पाउडर रूप से अनिवार्य विशेषताओं में अंतर प्रदर्शित नहीं होता है । संबद्ध वस्तु के समस्त ग्रेड समान उपयोग में प्रयोग किये जाते हैं और ये उत्पादक तथा उपभोक्ता दोनों के स्तर पर प्रतिस्थापनीय हैं । इस बात का खंडन नहीं किया गया है कि ग्रेन्यूलर रूप का उपयोग वहां किया जा सकता है जहां पाउडर रूप की जरूरत होती है ।
21. रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना और खास तौर पर चीन के उत्पादक के इस अनुरोध कि बेरियम कार्बोनेट के तीनों रूपों अर्थोत्त पाउडर रूप, ग्रेन्यूल रूप तथा कैल्सीनेड ग्रेन्यूल के लिए समस्त सामग्री और संगत निविष्टियां एक समान हैं, परे विचार करने के बाद प्राधिकारी का अनन्तिम विचार यह है कि ग्रेडों में अंतर से संबद्ध देश से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद में किसी खास अंतर का पता नहीं चलता है । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु रासायनिक विशेषताओं, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिदेशन, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण के संबंध में विचाराधीन उत्पाद से तुलनीय है । दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है । अतः प्राधिकारी का यह मत है कि आवेदक घरेलू

उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद पाटनरोधी नियमावली के अनुसार विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है ।

**ड. घरेलू उद्योग का क्षेत्रविस्तार तथा आधार**

22. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

ख. "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातिकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वये उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा ।

23. तथापि, जांच की शुरूआत के बाद इस नियम में निम्नानुसा संशोधन किया गया है :-

"(ख)" "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातिकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वये उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का तात्पर्य यह निकाला जा सकता है कि उसमें केवल शेष उत्पादकों का उल्लेख है ।"

**अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध**

24. मै. स्कॉट ग्लास इंडिया प्रा.लि ने यह तर्क दिया है कि आवेदक "प्रमुख अनुपात" संबंधी जांच पर खरे नहीं उतरते हैं । रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार आवेदकों का उत्पादन घरेलू उत्पादन का मात्र 35% बनता है । यदि भारत में सबसे बड़े उत्पादक-सोल्वे विष्णु बेरियम के उत्पादन को हिसाब में ले लिया जाए तो यह प्रतिशत भी गलत हो जाएगा । सोल्वे विष्णु बेरियम की क्षमता 40000 एम टी पी ए की है और संबद्ध उत्पाद का 30000 एम टी पी ए का उत्पादन कर रही है । सोल्वे विष्णु बेरियम को "अन्य उत्पादक" श्रेणी की गणना करते समय संबद्ध वस्तु का उत्पादक नहीं माना गया है क्योंकि "अन्य उत्पादक" के उत्पादन के आंकड़े मात्र 6700 मी.ट. के थे जबकि सोल्वे इससे अधिक का उत्पादन कर रही थी । सोल्वे विष्णु बेरियम को घरेलू उत्पादक के रूप में अलग रखने का कोई कारण नहीं है ।

## घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

25. यह तर्क दिया गया है कि मै. स्कॉट ग्लास इंडिया प्रा.लि. ने उत्पादन को घरेलू उत्पादन के रूप में दर्शाने की मांग की है और ऐसा "आधार" के निर्धारण के लिए किया गया है; घरेलू उद्योग को उत्पादन पर विचार करते हुए न कि घरेलू बाजार के लिए निर्दिष्ट उत्पादन पर विचार करते हुए देखा जाना चाहिए ।

26. आगे यह तर्क दिया गया है कि किसी भेदभाव के बिना यह कहने का कोई कानूनी आधार नहीं है कि 35% उत्पादन एक प्रमुख अनुपात नहीं बनता है । अब तक यह सुस्थापित कानून बन चुका है कि प्रमुख अनुपात का तात्पर्य पर्याप्त अनुपात से ही होता है ।

27. यह दोहराया जाता है कि कार्यवाही का यह अत्यंत विलंबित चरण है जब प्राधिकारी घरेलू उद्योग के आधार और क्षेत्र की जांच कर रहे हैं ।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

28. यह आवेदन मै. अथियप्पा कैमिकल्स प्रा.लि., मै. एल्लक कैम. इंडस्ट्रीज प्रा.लि., मै. प्रेम कैमिकल इंडस्ट्रीज तथा मै. विक्ट्री कैमिकल्स लि. ने दायर किया है और लघु बेरियम विनिर्माता कल्याण एसो. ने इसका समर्थन किया है ।

29. "आधार" के मुद्दे पर मै. स्कॉट ग्लास इंडिया प्रा.लि. द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई है । मै. सोल्वे विष्णु बेरियम द्वारा जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के घेलू उत्पादन के संबंध में आवश्यक आंकड़े प्राप्त किए गए थे और यह नोट किया गया है कि उसने जांच अवधि के दौरान \*\*\* मी.ट बेरियम कार्बोनेट का उत्पादन किया है और अपने पत्र में उन्होंने पाटनरोधी उपायों का समर्थन किया है । कंपनी ने यह दावा किया है कि ग्रेन्यूल रूप का उनका उत्पादन काफी अधिक है जो घरेलू एवं निर्यात दोनों बाजारों के लिए होता है और पाटन के परिणामस्वरूप उनका उत्पादन वर्ष 2004-05 में \*\*\* मी.ट. से तेजी से घटकर 2008-09 में \*\*\* मी.ट. हो गया है ।

30. रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार यह देखा जाता है कि आवेदक पाटनोधी नियमावली के अनुसार "आधार" संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करते हैं । आवेदकों अर्थात् मै. अथिअप्पा कैमिकल्स प्रा.लि., मै. एलक कैम इंडस्ट्रीज प्रा.लि., मै. प्रेम कैमिकल इंडस्ट्रीज तथा मै. विक्ट्री कैमिकल्स लि. का उत्पादन समान वस्तु के घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है । इसके अलावा, आवेदन का समर्थन समान वस्तु के कई घरेलू उत्पादकों अर्थात् मै. अमरावती कैमिकल्स एंड फर्टीलाइजर्स प्रा.लि., हैदराबाद; मै. भार्गव कैमिकल्स, आंध्रप्रदेश; मै. जगदीश्वरी कैमिकल्स, आंध्र प्रदेश; मै. जया कैमिकल्स, आंध्रप्रदेश; मै. मुरुगनन्थम कैमिकल एंड कंपनी, तमिलनाडु; मै. राहुल बेरियम साल्ट्स, हैदराबाद; मै. आर के इंडस्ट्रियल, कैमिकल्स, हैदराबाद तथा मै. सोल्वे विष्णु बेरियम प्रा.लि. ने किया है ।

31. प्रकटीकरण-पश्चात यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उत्पादन में आवेदकों का प्रमुख हिस्सा (50%) अवश्य होना चाहिए। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस विषय पर कानून स्पष्ट है और अधिदेशित है कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) की पूर्ति होती है यदि आवेदकों का बेरियम कार्बोनेट के कुल घरेलू उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा बनता है। प्रस्तुत मामले में यह नोट किया जाता है कि स्वयं आवेदकों का ही इसमें प्रमुख हिस्सा है। रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार समर्थकों के साथ आवेदकों का उत्पादन घरेलू उत्पाद का एक बड़ा हिस्सा बनता है और यह भारतीय उत्पादन के 50% से भी अधिक है। अतः आवेदन में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) की अपेक्षाओं की पूर्ति होती है। इस प्रकार, मै. अथियप्पा कैमिकल्स प्रा.लि., मै. एल्लक कैम. इंडस्ट्रीज प्रा.लि., मै. प्रेम कैमिकल इंडस्ट्रीज तथा मै. विकट्री कैमिकल्स लि. को वर्तमान जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के साथ पठित नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर "घरेलू उद्योग" माना जा रहा है।

च. संबद्ध देश

32. यह जांच चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में शुरू की गई थी।

छ. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन

चीन जन.गण. के उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य

33. प्राधिकारी ने संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों को यह सलाह देते हुए प्रश्नावली भेजी कि वे निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से सूचना उपलब्ध कराएं। प्रश्नावली का उत्तर निम्नलिखित कंपनियों से प्राप्त हुआ था :

क्र.सं	कंपनी का नाम
1	मै. गुरुझोऊ होंगताई कैमिकल कं. लि.
2	मै. अनहुई गारमेंट्स शॉप्स एंड कैप्स इंडस्ट्रियल (ग्रुप) कं.
3	मै. हुआन वांगफेंग कैमिकल कं. लि.
4	मै. हुआन मिन्ट इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
5	मै. गुरुझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग कं. लि.
6	मै. गुरुझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग डालोंग मांगेनसे इंडस्ट्री कं. लि.
7	मै. गुरुझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
8	मै. गांगझोऊ कैमिकल इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन
9	मै. चाइना हाओहुआ कैमिकल इंडस्ट्री ग्रुप, तियानझोऊ कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि. (तियानझोऊ)
10	मै. हुबई जियांगशान चुटियान बेरियम साल्ट कार्प.

### चीन के निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा किए गए अनुरोध

#### मै. गुरुइङ्गोऊ हांगतोई कैमिकल कं. लि. (हांगताई)

34. यह बताया गया है कि मै. गुरुइङ्गोऊ हांगतोई कैमिकल कं. लि. (हांगताई) संबद्ध उत्पाद का उत्पादक और घरेलू विक्रेता है न कि निर्यातक । मै. गुरुइङ्गोऊ हांगतोई कैमिकल कं. लि. द्वारा संबद्ध उत्पाद की बिक्री चीन की व्यापार कंपनी अर्थात् मै. अनहुई गारमैंट्स शूज एंड कैप्स इंड (ग्रुप) कंपनी (अनहुई) को की जाती है । तत्पश्चात् मै. अनहुई उत्पाद की पुनः बिक्री (निर्यात) भारत को करती है । मै. होंगटाई ने मै. अनहुई के साथ प्रश्नावली का उत्तर दिया है ।

35. यह बताया गया है कि निर्यात के देश में बेची गई संबद्ध वस्तु और भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के बीच कोई अंतर नहीं है । समस्त सामग्री और संगत निविष्टियों की खरीद राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों सहित अनेक आपूर्तिकर्ताओं से रस्थानीय रूप से की जाती है ।

#### मै. अनहुई गारमैंट्स शूज एंड कैप्स इंडस्ट्रियल (ग्रुप) कं. (अनहुई)

36. यह बताया गया है कि मै. अनहुई गारमैंट्स शूज एंड कैप्स इंडस्ट्रियल (ग्रुप) कं. (अनहुई) संबद्ध वस्तु की एक निर्यातक/व्यापारी है न कि संबद्ध उत्पाद की उत्पादक एक व्यापारी के रूप में । मै. अनहुई ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया । मै. हैंगताई द्वारा विनिर्भित समस्त बेरियम कार्बोनेट पाउडर रूप में है । यह बताया गया है कि जांच अवधि के दौरान मै. अनहुई ने न तो संबद्ध वस्तु की बिक्री घरेलू बाजार में की और न ही भारत से भिन्न देशों को उसका निर्यात किया ।

37. आगे यह बताया गया है कि घरेलू बाजार में बेची गई वस्तु भारत को निर्यातित वस्तु के समान है ।

#### मै. हुनान वेंगफेंग कैमिकल कं. लि. (वेंगफेंग)

38. मै. हुनान वेंगफेंग कैमिकल कं. लि. (वेंगफेंग) संबद्ध उत्पाद की एक उत्पादक तथा घरेलू विक्रेता है न कि निर्यातक । मै. वेनफेंग द्वारा संबद्ध उत्पाद की बिक्री चीन की व्यापार कंपनी अर्थात् हुनान मिंट इंपो. एंड एक्सप. कं. लि. (मिंट) को की जाती है । तत्पश्चात् मै. मिंट उत्पाद की पुनः बिक्री (निर्यात) भारत को करती है । मै. वेनफेंग उत्पादक तथा आपूर्तिकर्ता है जबकि मै. मिंट निर्यातक है । दोनों संबंधित नहीं हैं ।

मै. हुनान बिंट इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.

39. मै. हुनान बिंट इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. ने निर्यातक के रूप में इस मामले में प्रश्नावली का उत्तर तथा एम ई टी उत्तर दायर किया है। यह बताया गया है कि मै. बिंट संबद्ध वस्तु की एक निर्यातक/व्यापारी है न कि विचाराधीन उत्पाद की उत्पादक।

मै. गुईज्ञोऊ रेडस्टार डेवलपिंग कं. लि. (रेडस्टार)

40. मै. गुईज्ञोऊ रेडस्टार डेवलपिंग कं. लि. (रेडस्टार) ने निर्यातक के रूप में इस मामले में प्रश्नावली का उत्तर तथा एम ई टी उत्तर दायर किया है। यह बताया गया है कि मै. रेड स्टार संबद्ध उत्पाद की घरेलू रूप से एक उत्पादक तथा विक्रेता है न कि उसकी निर्यातक। मै. रेडस्टार द्वारा गुईज्ञोऊ रेडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (रेड स्टार आई/ई) को उत्पाद की बिक्री की जाती है। मै. रेड स्टार आई/ई द्वारा भारत को संबद्ध वस्तु की पुनः बिक्री (निर्यात) किया जाता है।

41. यह बताया गया है कि मै. रेडस्टार संबद्ध वस्तु के 3 ग्रेडों अर्थात् कैल्सीनेड ग्रेन्यूल, कंपैक्टिव ग्रेन्यूल तथा पाउडर का उत्पादन करती है। तथापि, केवल पाउडर ग्रेड का भारत को निर्यात किया जाता है। अतः मै. रेडस्टार ने केवल पाउडर ग्रेड की लागत और कीमत की तुलना भारतीय उत्पाद के साथ करने का अनुरोध किया है। समस्त तीनों रूपों के लिए समस्त सामग्री तथा संगत निविष्टियां समान हैं, जिनकी खरीद राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों से कई आपूर्तिकर्ताओं से स्थानीय तौर पर की जाती है।

42. मै. रेड स्टार का प्रमुख शेयरधारक किंगडाओं रेडस्टार कैमिकल इंडस्ट्रीज ग्रुप कं. लि. (51.86%), है जो राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी है। मै. रेडस्टार के उत्तर से यह नोट किया गया है कि 11 निदेशकों में से किंगडाओं रेडस्टार द्वारा 8 निदेशकों की नियुक्ति की जाती है और केवल 3 स्वतंत्र हैं। यह बताया गया है कि मै. रेडस्टार तथा मै. डेलॉग बेरियम कार्बोनेट का उत्पादन करने वाले रेडस्टार ग्रुप के भीतर केवल दो कंपनियां हैं। प्रमुख कच्ची सामग्री बेरिट्स की खरीद एक संबद्ध कंपनी अर्थात् मै. रेड बटर फ्लाई इंडस्ट्री से की जाती है।

मै. गुईज्ञोऊ रेडस्टार डेवलेपिंग डालोंग मांगनेसी इंडस्ट्री कं. लि. (डालोंग)

43. यह बताया गया है कि मै. गुईज्ञोऊ रेडस्टार डेवलेपिंग डालोंग मांगनेसी इंडस्ट्री कं. लि. (डालोंग) संबद्ध उत्पाद की एक उत्पादक तथा घरेलू विक्रेता है न कि निर्यातक। मै. डेलोंग द्वारा मै. गुईज्ञोऊ रेडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (रेड स्टार आई/ई) को उत्पाद की बिक्री की जाती है। तत्पश्चात् मै. रेड स्टार आई/ई द्वारा भारत को संबद्ध वस्तु की पुनः बिक्री (निर्यात) किया जाता है। यह बताया गया है कि मै. डेलोंग, गुईज्ञोऊ रेडस्टार डेवलपिंग कं. लि. (रेड स्टार) की एक सहायक कंपनी है।

मै. गुर्ज़ोऊ रेडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (रेडस्टार आई/ई)

44. मै. गुर्ज़ोऊ रेडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (रेडस्टार आई/ई) ने एक निर्यातक के रूप में इस मामले में प्रश्नावली का उत्तर तथा एम ई टी उत्तर दायर किया है । यह बताया गया है कि मै. रेडस्टार आई/ई संबद्ध वस्तु की निर्यातक/व्यापारी है जिसका उत्पादन मै. रैडस्टार तथा मै. डेलोंग द्वारा किया जाता है ।

45. मै. गुर्ज़ोऊ रेडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (रेडस्टार आई/ई) मै. गुर्ज़ोऊ रेडस्टार डेवलपिंग कं. लि. (रेडस्टार) की सहायक कंपनी भी है । मै. रेडस्टार आई ई के पास समूचे रेडस्टार ग्रुप के आयात एवं निर्यात कार्यकलापों का प्रभार है और यह मात्र रेडस्टार ग्रुप के बेरियम कार्बोनेट की निर्यातक है । मै. रैडस्टार आई/ई न तो संबद्ध उत्पाद का उत्पादन करती है और न ही घरेलू बाजार में उसकी बिक्री करती है ।

मै. चाइना हाओहुआ कैमिकल इंडस्ट्री ग्रुप, टियानज़ोऊ कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि. (टियानज़ोऊ)

46. यह नोट किया जाता है कि मै. टियानज़ू राज्य की पूर्ण स्वामित्व वाली एक कंपनी है । मै. टियानज़ू कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि. का स्वामित्व मै. हाओहुआ नार्थ कैम. कार्पो. के पास है । मै. टियानज़ू के मूल शेयरधारक मै. हेवाई जिंगजी कैमिकल ग्रुप कं. लि. ने मै. टियानज़ू के समस्त शेयर मै. हाओहुआ नॉर्थ कैम. कार्पो. को 15 जन. 2008 को हस्तांतरित कर दिए थे । मै. टियानज़ू का नाम चाइना हाओहुआ कैमिकल इंड ग्रुप, टियानज़ू जिंगजी बेरियम कंपनी लि. से बदलकर 10 जून, 2009 को मै. चायना हाओहुआ कैमिकल इंड ग्रुप, टियानज़ू कैमिकल इंड कं. लि. कर दिया गया था ।

47. यह बताया गया है कि मै. टियानज़ू ने जांच अवधि के दौरान ही भारत को संबद्ध उत्पाद का सीधे निर्यात किया था । वितरण के माध्यम भारत को सीधे निर्यात से लेकर भारतीय अंतिम प्रयोक्ता को निर्यात तथा व्यापारी के जरिए निर्यात, दोनों थे । इसके अलावा, इसने मै. गुआंगज़ोऊ (जो कंपनी के ग्राहकों में से एक है) को संबद्ध वस्तु की बिक्री भी की और यह कि मै. गुआंगज़ोऊ ने जांच अवधि के दौरान मै. टियानज़ू से खरीदे गए संबद्ध उत्पाद को भारत को पुनः बिक्री की । एक उत्पादक के रूप में मै. टियानज़ू मै. गुआंगज़ोऊ द्वारा भारत को निर्यात बिक्री हेतु मै. गुआंगज़ोऊ के साथ सहयोग करती है ।

48. आगे यह बताया गया है कि निर्यात के देश में बेची गई संबद्ध वस्तु तथा भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के बीच कोई अंतर नहीं है ।

**मै. गुआंगझोऊ कैमिकल इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन (गुआंगझोऊ)**

49. मै. गुआंगझोऊ कैमिकल इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन (गुआंगझोऊ) ने इस मामले में एक निर्यातक के रूप में प्रश्नावली का उत्तर तथा एम ई टी उत्तर दायर किया है। यह बताया गया है कि मै. चायना हाओहुआ कैमि. इंड ग्रुप, टियानझू कैमि. इंड कं. लि. (टियानझू), मै. ग्वांगझोऊ की आपूर्तिकर्ता है और यह कि जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित समस्त संबद्ध वस्तु की आपूर्ति मै. टियानझू ने की थी।
50. मै. ग्वांगझोऊ राज्य के स्वामित्व वाला उद्यम है। मै. ग्वांगझोऊ संबद्ध उत्पाद की घरेलू बिक्री नहीं करती है और वह केवल संबद्ध उत्पाद का निर्यात करती है। मै. ग्वांगझोऊ द्वारा घरेलू आपूर्तिकर्ताओं से संबद्ध उत्पाद की खरीद की जाती है और तत्पश्चात हांगकांग के एक व्यापारी के जरिए भारत को उसकी पुनः बिक्री की जाती है। यह व्यापारी भारतीय ग्राहक के एजेंट के रूप में कार्य करती है।
51. यह बताया गया है कि आपूर्तिकर्ता मै. टियानझू द्वारा घरेलू बाजार में बेची गई संबद्ध वस्तु और मै. टियानझू से खरीदी गई और तत्पश्चात मै. गुआंगझोऊ द्वारा भारत को निर्यातित संबद्ध वस्तु समान वस्तुएं हैं।

**मै. हुबेई जियांगशान चुटियान बेरियम सॉल्ट ग्रुप**

52. यह बताया गया है कि मै. हुबेई जियांगशान चुटियान बेरियम सॉल्ट ग्रुप संबद्ध उत्पाद की उत्पादक हैं। मै. हुबेई जियांगशान चुटियान बेरियम सॉल्ट ग्रुप द्वारा घरेलू बाजार में संबद्ध बाजार की बिक्री और भारत को बिक्री भी की जाती है।
53. यद्यपि, कंपनी 3 प्रकार के बेरियम कार्बोनेट अर्थात लाइट पाउडर, तरल एवं ड्राई ग्रैन्यूल का उत्पादन करती है परंतु उसने भारत को केवल लाइट पाउडर बेरियम कार्बोनेट का निर्यात किया है। यह कंपनी राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों सहित कई आपूर्तिकर्ताओं से प्रमुख कच्ची सामग्री प्राप्त करती है।
54. मै. हुबेई जियांगशान चुटियान बेरियम सॉल्ट ग्रुप यह तर्क दिया है कि उसे ई सी द्वारा वर्ष 2005 के मध्य में चीन से बेरियम कार्बोनेट के आयातों के संबंध में हुई पाटनरोधी जांच में बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार ("एम ई टी") प्रदान किया गया था और इसलिए कंपनी पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के अनुच्छेद 8 के अनुसरण में एम ई टी प्रदान करने का अनुरोध करती है।

### घरेलू उद्योग के विचार

55. घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ यह कहते हुए यह तर्क दिया है कि चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए :

- बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा ऐसी स्थिति में प्रदान नहीं किया जा सकता जिसमें प्रमुख शेयरधारकों में से एक शेयरधारक राज्य की स्वामित्व वाली/नियंत्रित कंपनी हो- घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यूरोपीय आयोग ने लगातार यह माना है कि उन मामलों में राज्य के हस्तक्षेप की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता, जिनमें राज्य की स्वामित्व वाली/नियंत्रित किसी कंपनी के पर्याप्त शेयर हों। आगे यह तर्क दिया गया है कि यह पिछले हस्तक्षेपों का ही प्रश्न है परंतु पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भविष्य में राज्य के संभावित हस्तक्षेप की संभावना भी है जो बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने के लिए प्रासंगिक है ।
- बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि चीन के प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करते कि प्रमुख निविष्टियों की कीमतों में बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन होता है: घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि "बाजार मूल्यों के पर्याप्त प्रदर्शन" का व्यापक अर्थ निरूपण किया गया है ताकि यह तात्पर्य निकाला जा सके कि इन निविष्टियों की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित कीमतों से तुलनीय होनी चाहिए । घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यह तथ्य नितांत अपर्याप्त है कि ऐसी कीमतें चीन जन.गण. में प्रचलित कीमत से तुलनीय हैं ।
- प्रमुख निविष्टियों में उपयोगिताएं शामिल हैं: घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि संबद्ध उत्पादों के उत्पादन के लिए उपयोगिता की एक प्रमुख मद के रूप में पाउडर तथा ईंधन की जरूरत होती है । जाहिर तौर पर यद्यपि, पाउडर का आपूर्तिकर्ता राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी है, तथापि, ईंधन की आपूर्ति के बारे में अपर्याप्त सूचना उपलब्ध है । निर्यातकों ने यह सिद्ध नहीं किया है कि उपयोगिताओं की कीमत में उचित बाजार मूल्य प्रदर्शित होते हैं ।
- बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध न कर दें कि उनकी बहियों की लेखा परीक्षा अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुरूप की जाती है: घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि चीन के निर्यातकों ने ऐसी स्थितियों में बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार को अस्वीकार किए जाने के लिए यूरोपीय आयोग के व्यवहार का बार-बार खंडन किया है, जिनमें चीन के निर्यातक यह सिद्ध करने में असमर्थ रहे हैं कि उनकी बहियां चीनी जी ए ए पी के अनुरूप हैं । ऐसे मामलों में चीन की कंपनियों ने यह तर्क दिया है कि अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुपालन पर जोर देने की जरूरत कानून के दायरे से बाहर है । यूरोपीय आयोग ने यह माना है कि अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुपालन पर इसलिए जोर दिया जाता है

ताकि वार्षिक रिपोर्ट में उल्लिखित राजस्व तथा व्यय, परिसंपत्तियों तथा देनदारियों की सत्यता और पर्याप्तता सुनिश्चित की जा सके। यूरोपीय आयोग को उद्भूत करने के लिए लेखों की विश्वसनीयता इस पहलू के संबंध में तब तक स्थापित नहीं की जा सकती जब तक कि बहियां अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुरूप न हों।

- **बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा उस स्थिति में भी प्रदान नहीं किया जा सकता यदि मापदंडों में से एक भी मापदंड की पूर्ति नहीं होती है:** घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यूरोपीय आयोग ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि चीन के प्रतिवादी निर्यातक नियमों के निर्धारित प्रत्येक मापदंड के संबंध में जांच पर खरे नहीं उत्तरते हैं।
- **सिद्ध करने का भार/दायित्व:** घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यह सिद्ध करना प्राधिकारी का दायित्व नहीं है कि प्रतिवादी कंपनियों वस्तुतः बाजार अर्थव्यवस्था के वातावरण में कार्य कर रही हैं और वे बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की पात्र हैं। इसके विपरीत यह चीन के प्रतिवादी निर्यातकों पर निर्भर करता है कि वे यह सिद्ध करें कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रहे हैं।
- **रूपांतरण:** घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि ऐसी किसी स्थिति में जिसमें वर्तमान शेयरधारकों ने स्वयं उत्पादन क्षमताएं स्थापित नहीं की हैं, अपितु उन्होंने किसी अन्य पक्षकार से इसे अर्जित किया है, बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता, जब तक कि रूपांतरण की प्रक्रिया की पुष्टि दस्तावेजी साक्ष्य के साथ नहीं की जा सकती।
- **समग्र ग्रुप की ओर से उत्तर** - घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक प्रतिवादी कंपनी और उसके समग्र ग्रुप ने दावा न किया हो। यदि उक्त ग्रुप की एक या अधिक कंपनियों ने उत्तर दायर नहीं किया है तो बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे को अस्वीकृत कर दिया जाना चाहिए। भले ही उक्त ग्रुप की अन्य कंपनियां विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन या बिक्री में शामिल हों या न हों। यह तर्क दिया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विट्रीफाइट टाइलों के मामले में ऐसी जांच लागू की थी जिसमें समूचे ग्रुप ने बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्राप्त करने हेतु उत्तर दायर किया था।
- घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि चीन के प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त कई शर्तों को पूरा करने में विफल रहना यह मानने के लिए पर्याप्त है कि चीन की प्रतिवादी कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता और इस प्रकार सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के पैरा 7 के अनुसार किया जाना चाहिए।

### प्राधिकारी द्वारा चीन जन.गण. के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था के दावों की जांच

56. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में भारत तथा डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है बशर्ते पाटनरोधी नियमानुसार निर्यातक देश या अलग-अलग निर्यातकों द्वारा इस अनुमान का खंडन किया गया हो।

57. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध । के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक (निर्यातकों) द्वारा पैराग्राफ 8 के उप पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं। चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

- कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
- इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बहु खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;
- इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है।

58. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जारी की गई जांच शुरुआत संबंधी सूचना के बाद चीन के कुछेक उत्पादकों तथा निर्यातकों ने बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली के उत्तर सहित प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान के खंडन की मांग की है। संबद्ध देश के संबद्ध वस्तु के

प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातकों के प्रश्नावली के उत्तर तथा बाजार अर्थव्यवस्था के उत्तरों की जांच की गई थी और अनुरोधों में पाई गई कमियों का उल्लेख कर स्पष्टीकरण मांगे गए थे। चीन के प्रतिवादियों के कार्यालय/संयंत्र में आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था।

मै. हुनान वेंगफेंग कैमिकल कं. लि.

59. कंपनी द्वारा दायर उत्तर का अवलोकन कर पाई गई कमियों का उल्लेख किया गया था तथा स्पष्टीकरण मांगे गए थे। यह पाया गया है कि कंपनी ने वर्ष 2006 में राज्य की स्वामित्व वाली एक कंपनी से एक पुराना संयंत्र खरीदा था। पूर्ववर्ती राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी से प्राप्त परिसंपत्तियों की प्रक्रिया एवं मूल्यांकन के संबंध में किए गए एक प्रश्न के उत्तर में कंपनी ने यह बताया है कि कंपनी द्वारा अपेक्षित परिसंपत्तियों की गणना के दस्तावेज नहीं रखे गए हैं। कंपनी ने यह भी अनुरोध किया है कि वर्ष 2006 तथा 2007 के दौरान कोई मूल्यहास प्रभारित नहीं किया गया है और इसे वर्ष 2008 और उससे आगे लागू किया गया है। उपर्युक्त तथ्य के मद्देनजर यह सुनिश्चित करना संभव नहीं है कि क्या कंपनी की उत्पादन लागत एवं वित्तीय स्थिति मूल्यहास एवं अन्य बहु-खाते से संबंधित पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की प्रणाली से आई पर्याप्त विकृति के अधीन है।

60. मौके पर सत्यापन के दौरान कंपनी के प्रतिनिधियों ने लिखित में यह प्रस्तुत किया कि वे बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के अपने दावे पर और जोर देना नहीं चाहते हैं। उपर्युक्त के मद्देनजर कंपनी को गैर-बाजारी स्थितियों में प्रचालन कर रही कंपनी के रूप में घोषित किया गया है।

मै. चाईना हाओहुआ कैमिकल इंडस्ट्री ग्रुप, तियानझाऊ कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि.

61. कंपनी द्वारा दायर उत्तर का अवलोकन कर पाई गई कमियों का उल्लेख किया गया था तथा स्पष्टीकरण मांगे गए थे। कंपनी ने यह बताया है कि कंपनी की 100% शेयरधारिता का स्वामित्व राज्य की स्वामित्व वाली एक कंपनी मै. हाओहुआ नार्थ कैम. कार्पोरेशन के पास है। यह भी बताया गया है कि वर्तमान शेयरधारक को शेयर हस्तांतरित करते समय शेयरों का मूल्यांकन नहीं किया गया था। इसके अलावा, निर्यातक कंपनी अर्थात् मै. गुआंगझाऊ कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पो. 100% राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी है। इस तथ्य के मद्देनजर कि उत्पादक तथा निर्यातक दोनों 100% राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियां हैं, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि कीमत, लागत तथा निविष्टि प्रौद्योगिकी की लागत एवं श्रम आदि के संबंध में उनके प्रचालन राज्य के पर्याप्त हस्तक्षेप से किए जाते हैं।

62. मौके पर सत्यापन के दौरान कंपनी के प्रतिनिधियों ने लिखित में यह प्रस्तुत किया कि वे बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के अपने दावे को छोड़ना चाहते हैं। उपर्युक्त के

मद्देनजर कंपनी को गैर-बाजारी स्थितियों में प्रचालन कर रही कंपनी के रूप में घोषित किया गया है।

मै. गुर्ज़ोऊ होंगताई कैमिकल कं. लि. तथा मै. अनहुई गारमैट्स शूज एंड कैप्स इंडस्ट्रियल (ग्रुप) कं. लि.

63. कंपनी द्वारा दायर उत्तर का अवलोकन कर पाई गई कमियों का उल्लेख किया गया था तथा स्पष्टीकरण मांगे गए थे। शेयर धारकों की पहचान और निधियां जुटाने के स्रोत से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में कंपनी ने यह उल्लेख किया है कि शेयरधारकों ने अपनी खुद की निधियों द्वारा पूँजी अंशदान किया है। तथापि, उत्पादक/निर्यातक द्वारा स्रोत एवं वास्तविक अंशदान के बारे में कोई उचित समर्थकारी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया है।

64. मौके पर सत्यापन के दौरान कंपनी के प्रतिनिधियों ने यह बताया कि वे एम ई टी के दावे पर जोर देना नहीं चाहते। अतः कंपनी ने लिखित में यह दिया कि वे बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के दावे को छोड़ना चाहते हैं। उपर्युक्त के मद्देनजर इस कंपनी को गैर-बाजारी स्थितियों में प्रचालनरत कंपनी के रूप में घोषित किया गया है।

मै. हुबेर्ज जियांगशान कुटियान बेरियम साल्ट ग्रुप कार्प. लि.

65. कंपनी द्वारा दायर उत्तर का अवलोकन किया गया तथा कमियों का उल्लेख किया गया और स्पष्टीकरण मांगे गए। जांच के दौरान कंपनी ने यूरोपीय आयोग द्वारा पूर्ण में जांचाधीन इसी उत्पाद हेतु उनके कंपनी को एम ई टी दर्जा प्रदान किए जाने के कारण बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के अपने दावे को दोहराया। कंपनी ने आगे यह दावा किया कि वह बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रही है और यह कि डी जी ए डी द्वारा एम ई टी दर्जा प्रदान करने के लिए विचारित सभी मापदंड ई सी द्वारा एम ई टी दर्जा प्रदान करने के लिए अपनाए गए मापदंडों के समान हैं।

66. कंपनी मै. हुबेर्ज जियांगशान कुटियान बेरियम साल्ट ग्रुप कार्प. लि. की स्थापना \*\*\* आर एम बी की पंजीकृत पूँजी के साथ सीमित दायित्व वाली कंपनी (प्राइवेट) के रूप में 24.3.1998 को की गई थी। जांच के दौरान मूल व्यावसायिक लाइसेंस की मूल प्रति का अवलोकन किया गया था, जिससे ज्ञात हुआ कि यह कंपनी वर्ष 1998 में अस्तित्व में थी। तथापि, इसके बाद प्राधिकारी के ध्यान में आया कि इसकी स्थापना वर्ष 1987 में की गई थी और रूपांतरण के माध्यम से यह एक निजी कंपनी बन गई थी। तदनुसार कंपनी के रूपांतरण के मुद्दे पर इस कंपनी के एक निजी कंपनी में रूपांतरण के प्रत्येक स्तर से संबंधित संगत पूरक सूचना सहित स्पष्टीकरण देने का अनुरोध करते हुए एक पत्र दिनांक 19 नवंबर, 2010 को भेजा गया था। इस पत्र के

उत्तर में कंपनी ने अन्य बातों के साथ यह स्वीकार किया था कि इसकी स्थापना जियांगशान कंट्री के शांगहे शहर में वर्ष 1987 में की गई थी और यह कारखाना था जो सामूहिक स्वामित्व का उद्यम था । तथापि, कंपनी ने संगत पूरक सूचना दस्तावेजों सहित रूपांतरण की प्रक्रिया की जानकारी प्रस्तुत नहीं की ।

67. यह नोट किया जाता है कि वास्तविक तथ्य यह है कि इसकी स्थापना वर्ष 1987 में की गई थी, जिसे प्राधिकारी से छिपाया गया और जिस तरीके से इसका रूपांतरण एक निजी कंपनी में किया गया उसका ब्यौरा इस संबंध में अवसर प्रदान किए जाने के बावजूद प्राधिकारी को उपलब्ध नहीं कराया गया ।
68. उपर्युक्त को देखते हुए इस कंपनी को इस जांच के प्रयोजनार्थ असहयोगी माना गया है ।

मै. गुईझोऊ रेडस्टार डेवलॉपिंग कं. लि.; मै. गुईझोऊ रेडस्टार डेवलॉपिंग डालोंग मांगसी इंडस्ट्री कं. लि. तथा मै. गुईझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.

69. कंपनी द्वारा दायर उत्तर का अवलोकन कर पाई गई कमियों का उल्लेख किया गया था तथा स्पष्टीकरण मांगे गए थे । यह बताया गया है कि राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी मै. किंगडाओं रैडस्टार कैमिकल इंडस्ट्री ग्रुप कंपनी लि. के पास मै. गुईझाओं रैडस्टार डेवलपिंग कं. लि. के 51.86% शेयर हैं । यद्यपि, मै. डेलोंग में दो शेयरधारक अर्थात् मै. गुईझाओं रैड स्टार डेवलपिंग कं. लि. तथा मै. गुईझाओं रैडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. हैं । इस तथ्य के मद्देनजर कि उत्पादक तथा निर्यातक राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियां हैं । इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि कीमत, लागत तथा निविष्टि प्रौद्योगिकी की लागत एवं श्रम आदि के संबंध में उनके प्रचालन राज्य के पर्याप्त हस्तक्षेप से किए जाते हैं ।
70. मौके पर सत्यापन के समय कंपनियों ने आरंभ में बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के अपने दावे को दोहराया था । तथापि, कंपनियों में अत्यधिक राज्य की शेयरधारिता पर विचार करते हुए उन्हें यह प्रदर्शित करने की सलाह दी गई थी कि उनके प्रचालनों में राज्य का पर्याप्त हस्तक्षेप नहीं हो और इस नीमित्त उनका ध्यान खासकर अनुच्छेद 4, 5, 6, 12, 13 आदि की ओर आकर्षित करते हुए राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों की परिसंपत्तियों के पर्यवेक्षण एवं प्रशासन हेतु निर्दिष्ट उपायों की ओर आकर्षित किया गया था । विस्तृत विचा विमर्श के बाद कंपनियां यह प्रदर्शित नहीं कर सकीं कि कंपनी के कार्यों में राज्य का पर्याप्त हस्तक्षेप नहीं है और कंपनियों ने लिखित में यह स्वीकार किया था कि वे जांच दल की संतुष्टि के अनुरूप एम ई टी दावों का प्रदर्शन नहीं कर सकतीं ।

71. तथापि, मै. गुर्झोऊ रेडस्टार डेवलॉपिंग कं. लि.; तथा मै. गुर्झोऊ रेडस्टार डेवलॉपिंग डालोंग मांगसी इंडस्ट्री कं. लि. ने सत्यापन रिपोर्ट पर अपनी टिप्पणियों में आश्चर्यजनक रूप से अपने एम ई टी दावे का पुनः उल्लेख किया है ।

72. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध । के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन जन.गण. के प्रतिवादी द्वारा पैराग्राफ 8 के उप पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं । सहयोगी प्रतिवादियों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

- कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
- इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बहुत खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;
- इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है ।

73. इस प्रकार ऐसी स्थितियों में जहां राज्य के स्वामित्व/नियंत्रणाधीन कंपनियों में खासकर राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों की परिसंपत्तियों के पर्यवेक्षण और प्रशासन के लिए निर्दिष्ट उपायों जिनमें राज्य परिषद तथा स्थानीय सरकारें अंशदाता दायित्व का निर्वहन करती हैं और स्वामी के अधिकारों तथा हितों का लाभ उठाती हैं जिनमें कार्मिकों एवं कार्यों का प्रशासन भी शामिल है, के संदर्भ में राज्य के हस्तक्षेप की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता ।

74. अतः इस बात पर विचार किया गया है कि मै. गुर्झोऊ रेडस्टार डेवलॉपिंग कं. लि.; मै. गुर्झोऊ रेडस्टार डेवलॉपिंग डालोंग मांगसी इंडस्ट्री कं. लि. तथा मै. गुर्झोऊ रेडस्टार डेवलॉपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. बाजार अर्थव्यवस्था की प्रणाली के अंतर्गत प्रचालन नहीं कर रही हैं ।

75. इसके अलावा, कंपनियों ने संबद्ध वस्तु के समस्त भावी निर्यात सौदों के लिए \*\*\* अम.डॉ./मी.ट. का कीमत वचन पत्र प्रस्तुत किया है। तथापि, इस बात पर विचार करते हुए कि प्रतिवादियों को एम ई टी दर्जा प्रदान नहीं किया गया है और परिणामस्वरूप सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु उनके उत्पादन आंकड़ों पर विचार नहीं किया गया है, उनकी कारगर निगरानी रखने में व्यावहारिक कठिनाइयां आने की संभावना है; अतः मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करते हुए कीमत वचन पत्र की उनकी पेशकश को स्वीकार नहीं किया जा रहा है।

### हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दे

76. रेड स्टार कंपनी समूह ने यह तर्क दिया है कि सामान्य मूल्य का वैकल्पिक निर्धारण अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों को मै. रेड स्टार द्वारा किए गए निर्यातों के आधार पर किया जा सकता है।

77. मै. स्कौट ग्लास इंडिया प्रा.लि. ने अन्य बातों के साथ-साथ सामान्य मूल्य एवं पाटन मार्जिन की गणना पर प्रश्न चिन्ह लगाया है और प्राधिकारी से सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्रयुक्त कार्यप्रणाली का पुनरावलोकन करने का अनुरोध किया है।

### मै. गुर्ज़ोज रेडस्टार डेवलपिंग कं. लि. (रेडस्टार)

78. निर्यातक ने यह तर्क दिया है कि भारतीय विनिर्माताओं और चीन के उत्पादक की उत्पादन प्रक्रिया में अंतर है जिससे लागत में अंतर आ जाता है।

### घरेलू उद्योग के विचार

79. घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि चीन के उत्पादक द्वारा अपनाई गई उत्पादन प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न सह-उत्पाद सल्फर कम मूल्य वाला उत्पाद है। तथापि, घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई उत्पादन प्रक्रिया में सह-उत्पाद के रूप में उत्पन्न सोडियम सल्फाइड तुलनात्मक रूप से उच्च मूल्य वाला उत्पाद है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

80. जहां तक इस मुद्दे का संबंध है, कि सामान्य मूल्य का निर्धारण अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों को मै. रेड स्टार द्वारा किए गए निर्यातों के आधार पर किया जा सकता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातकों के पास सामान्य मूल्य के निर्धारण का विकल्प चुनने के अलावा कोई विवेकाधिकार नहीं बचता है यदि सामान्य मूल्य घरेलू बिक्री के मापदंडों पर आधारित न हो। इसके बजाए, यह विकल्प प्राधिकारी के पास बचता है। अतः प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार चीन के प्रतिवादियों के लिए सामान्य मूल्य की गणना करना उचित समझा है।

81. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को नोट किया है और चीन के प्रतिवादियों के खपत संबंधी मानदंडों और प्रक्रिया पर व्यवहार्य सीमा तक विचार करते हुए उनके सामान्य मूल्य की गणना की है ।

82. आगे यह उल्लेख किया जाता है कि तथ्यों के प्रकटन की व्यवस्था नियम 16 में की गई है और ऐसा प्रकटन विवरण के जरिए संबंधित चीन के प्रतिवादियों के साथ किया गया है ।

### चीन जन.गण. के निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण

83. जैसा कि ऊपर नोट किया गया है कि संबद्ध देश के अधिकांश प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में बाजा अर्थव्यवस्था के निर्धारण के अहम मुद्दे हैं और इस बात पर विचार करते हुए कि इन प्रतिवादियों ने या तो ऐस ई टी के अपने दावों पर जोर नहीं दिया है या फिर उन्हें छोड़ दिया है/अथवा वे मौके पर सत्यापन के दौरान ऐस ई अनुमान का खंडन नहीं कर सके हैं, प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर उनके मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है ।

84. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 में यह उपबंध है कि :

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदर्भ अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो, तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा । जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा । जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी ।

85. प्राधिकारी ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना और प्रारंभिक जांच परिणामों में यह उल्लेख किया था कि आवेदक ने यह दावा किया है कि चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाए और इसलिए चीन जन.गण. के मामले में सामान्य

मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के अनुसार किया जाना चाहिए। आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु भारत को बाजार अर्थव्यवस्था वाला उचित तीसरा देश माना जा सकता है, जिसके लिए यह तर्क दिया गया है कि बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के लिए सूचना उपलब्ध नहीं है। इस दावे का किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने विरोध नहीं किया है।

86. इस जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के दूसरे परंतुक के अनुसार उपलब्ध उचित आधार पर के निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। तदनुसार विचाराधीन उत्पाद के कारखाना सामान्य मूल्य का निर्धारण विधिवत समायोजित उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर किया गया है। सामान्य मूल्य का परिकलन निमानुसार पद्धति के तहत किया गया है:

**चीन जन.गण. के मामले में सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु अपनाई गई कार्य पद्धति**

87. प्राधिकारी ने निम्नलिखित आधार पर चीन के उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन किया है।

- प्रमुख निविष्टियों की कीमत पर जांच अवधि के दौरान विशेष कच्ची सामग्री की प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कीमत के आधार पर किया गया है।
- खपत के मानकों को चीन के प्रतिवादी उत्पादक की सूचना/आंकड़ों के आधार पर अपनाया गया है।
- परिवर्तन लागत को घरेलू उद्योग के कुशल उत्पादक की सूचना/आंकड़ों के आधार पर स्वीकार किया गया है।
- बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत को घरेलू उद्योग के कुशल उत्पादक की सूचना/आंकड़ों के आधार पर लिया गया है।
- लाभ कारखाना लागत की 5% की दर से लिया गया है, जिसमें ब्याज शामिल नहीं है।

88. इस जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ संबद्ध वस्तु के पाउडर और ग्रेन्युलर रूप के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।

## असहयोगी निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण

89. चूंकि, संबद्ध देश के संबद्ध वस्तु की किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक से कोई अन्य उत्तर नहीं मिला है, इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर उनके सामान्य मूल्य का निर्धारण करने का निर्णय किया है ।

### ट. निर्यात कीमत

#### प्रतिवादी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

मै. हुनान वेंगफेंग कैमिकल कं. लि. (वेंगफेंग) द्वारा मै. हुनान मिंट इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (मिंट)

90. मै. हुनान वेंगफेंग कैमिकल कं. लि. चीन में संबद्ध उत्पाद की एक उत्पादक है । मै. वेनफेंग द्वारा भारत को संबद्ध उत्पाद का सीधे निर्यात नहीं किया जाता है और चीन की असंबद्ध व्यापार कंपनियों, जिनमें से एक मै. हुनान मिंट इंप. एंड एक्स. कं. लि. (मिंट) है, को संबद्ध उत्पाद की बिक्री की जाती है । मै. मिंट बाद में भारत को संबद्ध उत्पाद का निर्यात करती है ।

91. यह नोट किया जाता है कि मै. वेनफेंग ने यह अनुरोध किया है कि वह बेरियम कार्बोनेट के दो ग्रेडों अर्थात् ग्रेन्यूलर तथा पाउडर का उत्पादन करती है और भारत को उत्पादकों की बिक्री नहीं करती है । परंतु मिंट ने यह बताया है कि उसने बेरियम कार्बोनेट के 3 ग्रेडों अर्थात् ग्रेन्यूलर, पाउडर एवं उच्च अभिक्रिया सक्षम पाउडर का निर्यात किया है । तथापि, मै. वेनफेंग ने केवल दो ग्रेडों के लिए संगत आंकड़े उपलब्ध कराए हैं ।

92. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या प्रतिवादी निर्यातक के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तरों के आधार पर किया जा सकता है । प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि मै. मिंट ने स्पष्ट तौर पर विभिन्न स्रोतों से वस्तु की खरीद की है तथा और अपने केवल एक आपूर्तिकर्ता अर्थात् मै. वेंगफेंग ने इस जांच में सहयोग किया है । मौके पर सत्यापन के दौरान मै. मिंट ने जांच अवधि के दौरान मै. वेनफेंग से उसके द्वार किए गए सौदों को अभिज्ञात किया था ।

93. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की कि क्या प्रतिवादी निर्यातक के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर किया जा सकता है । निर्यात कीमत की अनुमति प्रतिवादी निर्यातक/उत्पादक के दावानुसार प्रदान की गई है जो मौके पर सत्यापन के दौरान आंकड़ों में छिटपुट सुधारों के अधीन है ।

94. इस प्रकार भारत के लिए संबद्ध वस्तु की निर्यात कीमत का निर्धारण अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री टुलाई, समुद्री बीमा, हैंडलिंग प्रभार, सोदेबाजी प्रभार, ऋण लागत और बैंक प्रभार हेतु समायोजन करने के बाद किया गया है। इसके अलावा, वैट हेतु भी समायोजन किया गया है। इसके अतिरिक्त, कारखाना निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु निर्यातक के लिए एस जी ए व्यय का भी समायोजन किया गया है। इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत \*\*\*अम.डॉ./मी.ट. बनती है।

मै. गुईझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग कं. लि. (रेडस्टार) द्वारा मै. गुईझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (रेडस्टार आई एंड ई)

95. मै. गुईझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग कं. लि. (रेडस्टार) चीन में संबद्ध उत्पाद का एक उत्पादक है। मै. गुईझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग कं. लि. ने संबद्ध वस्तु का भारत को सीधे तौर पर निर्यात नहीं किया है तथा चीन की एक सहायक कंपनी गुईझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (रेडस्टार आई एंड ई) को संबद्ध उत्पाद की बिक्री की है। मै. रेड स्टार आई एंड ई द्वारा बाद में भारत को उत्पाद का निर्यात किया गया है। रेडस्टार ग्रुप द्वारा भारत को निर्यातित समस्त संबद्ध उत्पाद पाउडर के रूप में है।

96. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि, क्या प्रतिवादी निर्यातक के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तरों के आधार पर किया जा सकता है। निर्यात कीमत की अनुमति प्रतिवादी निर्यातक के दावे के अनुसार प्रदान की गई है जो मौके पर सत्यापन के दौरान आंकड़ों में छिटपुट सुधारों अधीन है।

97. इस प्रकार संबद्ध वस्तु के लिए भारत हेतु निर्यात कीमत का निर्धारण निर्यातक द्वारा किए गए समुद्री परिवहन, समुद्री बीमा, हैंडलिंग एवं अनुषंगी फीस से संबंधित दावों का समायोजन करने के बाद किया गया है और वैट हेतु समायोजन की अनुमति भी प्रदान की गई है। इसके अलावा, निर्यातक हेतु एस जी ए तथा लाभ मार्जिन का समायोजन कारखाना निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु किया गया है। इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉ./मी.ट. बनती है।

मै. गुईझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग डालोंग मांगनेसे इंडस्ट्री कं. लि. (डालोंग) द्वारा मै. गुईझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (रेडस्टार आई एंड ई)

98. मै. गुईझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग डालोंग मांगनेसे इंडस्ट्री कं. लि. (डालोंग) चीन में संबद्ध उत्पाद का एक उत्पादक है। मै. डेलोंग ने संबद्ध वस्तु का भारत को सीधे तौर पर निर्यात नहीं किया है तथा चीन की एक सहायक व्यापार कंपनी मै. गुईझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (रेडस्टार आई एंड ई) को संबद्ध

उत्पाद की बिक्री की है। मै. रेड स्टार आई एंड ई द्वारा बाद में भारत को उत्पाद का निर्यात किया गया है। मै. डेलोंग द्वारा जांच अधिकारी के दौरान उत्पादित और बेची गई संबद्ध वस्तु केवल पाउडर के रूप में है।

99. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या प्रतिवादी निर्यातक के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तरों के आधार पर किया जा सकता है। निर्यात कीमत की अनुमति प्रतिवादी निर्यातक के दावे के अनुसार प्रदान की गई है जो मौके पर सत्यापन के दौरान आंकड़ों में छिटपुट सुधारों के अधीन है।
100. संबद्ध वस्तु के लिए भारत हेतु निर्यात कीमत का निर्धारण निर्यातक द्वारा किए गए समुद्री परिवहन, समुद्री बीमा, हैंडलिंग एवं अनुषंगी फीस से संबंधित दावों का समायोजन करने के बाद किया गया है। इसके अलावा वैट हेतु समायोजन की अनुमति भी प्रदान की गई है। इसके अलावा, निर्यातक हेतु एस जी ए तथा लाभ मार्जिन का समायोजन भी कारखाना निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु किया गया है। इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉ./भी.ट. बनती है।

मै. गुर्ज़ोऊ होंगटाई कैमिकल कं. लि. (होंगटाई) द्वारा मै. अनहुई गारमैट्स शूज एंड कैप्स इंडस्ट्रियल (ग्रुप) कं. (अनहुई)

101. मै. गुर्ज़ोऊ होंगटाई कैमिकल कं. लि. (होंगटाई) चीन में संबद्ध उत्पाद की एक उत्पादक है। मै. होंगटाई द्वारा भारत को संबद्ध उत्पाद का सीधे निर्यात नहीं किया जाता है और चीन की असंबद्ध व्यापार कंपनियों, जिनमें से एक मै. अनहुई गारमैट्स शूज एंड कैप्स इंडस्ट्रियल (ग्रुप) कं. (अनहुई) है, को संबद्ध उत्पाद की बिक्री की जाती है। मै. अनहुई बाद में भारत को उत्पाद का निर्यात करती है।
102. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या प्रतिवादी निर्यातक के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तरों के आधार पर किया जा सकता है। निर्यात कीमत की अनुमति प्रतिवादी निर्यातक के दावे के अनुसार प्रदान की गई है जो मौके पर सत्यापन के दौरान आंकड़ों में छिटपुट सुधारों के अधीन है।
103. इस प्रकार, संबद्ध वस्तु के लिए भारत हेतु निर्यात कीमत का निर्धारण निर्यातक द्वारा किए गए पत्तन प्रभारों, अंतरदेशीय परिवहन, विदेशी परिवहन, बीमा, बैंक प्रभारों से संबंधित दावों का समायोजन करने के बाद किया गया है। इसके अतिरिक्त वैट हेतु समायोजन की अनुमति भी प्रदान की गई है। इसके अलावा, निर्यातक हेतु एस जी ए तथा लाभ मार्जिन का समायोजन भी कारखाना निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु इस चरण पर नहीं किया गया है। इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉ./भी.ट. बनती है।

मै. चाइना होओहुआ कैमिकल इंडस्ट्री ग्रुप, टियानझू कैमिकल इंडस्ट्री कं., लि.  
(टियानझू)

104. यह बताया गया है कि मै. चाइना होओहुआ कैमिकल इंडस्ट्री ग्रुप, (टियानझू) कैमिकल इंडस्ट्री कं., लि. (टियानझू) ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का सीधे निर्यात किया था । वितरण के माध्यम भारतीय अंतिम प्रयोक्ताओं के लिए भारत को प्रत्यक्ष निर्यात तथा व्यापारी के जरिए निर्यात दोनों थे ।
105. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या प्रतिवादी निर्यातक के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण उनके द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तरों के आधार पर किया जा सकता है । निर्यात कीमत की अनुमति प्रतिवादी निर्यातक के दावे के अनुसार प्रदान की गई है जो सत्यापन के दौरान आंकड़ों में छिटपुट सुधारों के अधीन है ।
106. इस प्रकार संबद्ध वस्तु के लिए भारत हेतु निर्यात कीमत का निर्धारण प्रतिवादी द्वारा किए गए विदेशी भाड़े, विदेशी बीमा, निर्यात पैकिंग, अंतरदेशीय भाड़े एवं पत्तन व्यय तथा बैंक प्रभार से संबंधित दावों का समायोजन करने के बाद किया गया है । वैट हेतु समायोजन की अनुमति भी है, जो \*\*\* अम.डॉ./मी.ट. बनती है ।

मै. चाइना होओहुआ कैमिकल इंडस्ट्री ग्रुप, टियानझू कैमिकल इंडस्ट्री कं., लि.  
(टियानझू) द्वारा मै. गुआंगझाऊ कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन (गुआंगझाऊ)

107. सीधे तौर पर बिक्री करने के अलावा टियानझू ने संबद्ध वस्तु की गुआंगझाऊ को भी बिक्री की जिसकी पुनः बिक्री जांच अवधि के दौरान मै. गुआंगझाऊ द्वारा भारत को की गई थी । एक उत्पादक के रूप में मै. टियानझू मै. गुआंगझाऊ द्वारा भारत को की गई निर्यात बिक्री हेतु मै. गुआंगझाऊ के साथ सहयोग करती है ।
108. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या प्रतिवादी निर्यातक के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण उनके द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तरों के आधार पर किया जा सकता है । यह नोट किया गया है कि सभी सौदे संबद्ध वस्तु के ग्रेन्युलर रूप के हुए थे । निर्यात कीमत की अनुमति प्रतिवादी निर्यातक/उत्पादक के दावानुसार प्रदान की गई है जो भौके पर सत्यापन के दौरान आंकड़ों में छिटपुट सुधारों के अधीन है ।
109. इस प्रकार संबद्ध वस्तु के लिए भारत हेतु निर्यात कीमत का निर्धारण निर्यात पैकिंग, पत्तन व्यय, विदेशी भाड़े, तथा बैंक प्रभार का समायोजन करने के बाद किया गया है इसके अतिरिक्त वैट हेतु समायोजन की अनुमति भी प्रदान की गई है । इसके अलावा, निर्यातक हेतु एस जी ए का समायोजन भी कारखाना निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु नहीं किया गया है । यह भी नोट किया गया है कि संबद्ध वस्तु की आपूर्ति हांगकांग की एक कंपनी के जरिए की गई है जिसके व्यय आदि के ब्यौरे

उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। इस प्रकार, उक्त व्यापारी के लिए एस जी ए तथा लाभ मार्जिन का निर्धारण कारखाना निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु \*\*\*% की दर से उचित आधार पर किया गया है जो \*\*\* अम.डॉ. मी.ट. बनता है।

### असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण

110. चूंकि संबद्ध वस्तु के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक से कोई अन्य उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर उनकी निर्यात कीमत निर्धारित करने का निर्णय लिया है। आंकड़ों का मिलान आंवेदकों द्वारा प्रदत्त सूचना और सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार किया गया है।

### पाटन मार्जिन - तुलना की पद्धति

#### पाटन मार्जिन

111. जांचाधीन उत्पाद के लिए उपर्युक्तानुसार अलग-अलग निर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :

क्र.सं.	निर्यातक	देश	पाटन मार्जिन अम.डॉ. प्रति मी.ट.	पाटन मार्जिन रेंज %
1.	मै. गुईझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग कं. लि. (रेडस्टार) द्वारा मै. चीन गुईझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. जन.गण.	चीन जन.गण.	***	220-260%
2.	मै. गुईझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग लालोंग मेगनेसे इंडस्ट्री कं. लि. (लालोंग) द्वारा मै. गुईझोऊ रेडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.	चीन जन.गण.	***	270-310%
3.	मै. गुईझोऊ होंगटाई कैमिकल कं. लि. (होंगटाई) द्वारा मै. चीन अनहुई गारमैट्स शूज एंड कैप्स इंडस्ट्रियल (ग्रुप) कं. (अनहुई) जन.गण.	चीन जन.गण.	***	210-250%
4.	मै. चाइना होओहुआ कैमिकल इंडस्ट्री ग्रुप, टियानझू कैमिकल इंडस्ट्री कं., लि. (टियानझू)	चीन जन.गण.	***	230-270%
5.	मै. चाइना होओहुआ कैमिकल इंडस्ट्री ग्रुप, टियानझू कैमिकल इंडस्ट्री कं., लि. (टियानझू) द्वारा मै. गुआंगझोऊ कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन	चीन जन.गण.	***	120-160%
6.	मै. हुआन वांगफेई कैमिकल कं. लि. (वेंगफेंग) द्वारा मै. हुआन भिट इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन	चीन जन.गण.	***	50-90%
7.	उपर्युक्त को छोड़कर चीन के अन्य सभी उत्पादक/निर्यातक.	चीन जन.गण.	***	470-500%

### ज. क्षति तथा कारणात्मक संबंध

#### 112. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

- ० मै. स्कॉट ग्लास इंडिया प्रा.लि. ने वर्तमान जांच के परिणाम पर मंदी के प्रभाव पर विचार करने का अनुरोध किया है ।
- ० आगे यह तर्क दिया गया था कि घरेलू उद्योग द्वारा अपने लिखित अनुरोध में उल्खित पहुंच मूल्य, निवल बिक्री प्राप्ति गलत है ।
- ० प्राधिकारी से आगे यह अनुरोध किया गया है कि वह पिछले कुछ महीनों में हुए नवीनतम घटनाक्रमों पर विचार करें जिनका सबद्ध जांच पर प्रभाव पड़ सकता है ।
- ० कुछेक हितबद्ध पक्षकारों ने क्षति मार्जिन की गणना और क्षति रहित कीमत की गणना हेतु लगाई गई पूंजी पर प्राप्त आय के प्रतिशत की उपयुक्तता पर प्रश्न चिन्ह लगाया है । यह तर्क दिया गया है कि लगाई गई पूंजी पर 22% आय को मानने की नीति एन पी पी ए से ली गई है जिससे घरेलू उद्योग को अनुचित संरक्षण प्राप्त होता है ।

#### घरेलू उद्योग के अनुरोध

113. घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि उन्हें चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के हुए पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है । विचाराधीन उत्पाद के आयात में समग्र रूप में तथा भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में वृद्धि हुई है । आयातों की वजह से घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही है । भारतीय बाजार में चीन के आपूर्तिकर्ताओं की सतत मौजूदगी की वजह से घरेलू उद्योग अपनी घरेलू कीमत कम करने के लिए बाध्य हुआ है । इसके परिणामस्वरूप बाजार हिस्से, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, लाभ, निवेश पर आय, नकद प्रवाह के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है ।

घरेलू उद्योग ने क्षति रहित कीमत की गणना के बारे में हितबद्ध पक्षकारों के तर्क का खंडन किया है और यह उल्लेख किया है कि ऐसा कोई कारण नहीं है जिससे की प्राधिकारी को इस संबंध में सुस्थापित परंपरा पर पुनः विचार करना चाहिए ।

ऐसी स्थिति जिसमें मांग एवं आयात की मात्रा में वृद्धि हुई हो और घरेलू बिक्री में गिरावट आई हो, यह तर्क देने का कोई आधार नहीं है कि मंदी क्षति के संभावित कारणों में से एक हो सकती है । अब तक यह सुस्थापित कानून बन चुका है कि प्राधिकारी के लिए उन्हीं कारकों की जांच करना अपेक्षित होता है जिनकी जानकारी निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रदान की जाती है । इसके अलावा, ऐसे कारकों की जानकारी निर्दिष्ट प्राधिकारी को देते समय ऐसे अन्य कारक के कारण हुई क्षति और क्षति की मात्रा की पुष्टि करने का दायित्व हितबद्ध पक्षकारों पर होता है न कि घरेलू उद्योग और प्राधिकारी पर ।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

114. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-॥ के साथ पठित नियम 11 में यह उपबंध है कि क्षति जांच में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव ... को ध्यान में रखते हुए" घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दर्शाने वाले कारकों की जांच शामिल होगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करते समय इस बात की जांच आवश्यक समझी जाती है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अत्यधिक गिरावट आई है या होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है जिसमें अन्यथा काफी अधिक वृद्धि हो गई होती ।

115. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों पर प्रभावों की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग पर उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन आदि जैसे प्रभाव डालने वाले संकेतकों पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-॥ के अनुसार विचार किया गया है । यह स्पष्ट किया जाता है कि क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2005-मार्च, 2006, अप्रैल, 2006-मार्च, 2007, अप्रैल, 2007-मार्च, 2008 की अवधि और जांच अवधि शामिल थी और जांच अवधि के बाद हुए किसी घटनाक्रम पर सभी हितबद्ध पक्षकारों को उचित अवसर प्रदान करने के बाद समीक्षा जांच में विधिवत विचार किया जा सकता है ।

116. जहां तक क्षति रहित कीमत की गणना के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी यह मानते हैं कि उसने सुस्थापित यरंपरा के अनुसार क्षति रहित कीमत का उचित निर्धारण किया है ।

117. जहां तक मंदी के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी को घरेलू उद्योग के अनुरोध में गुण दिखाई देता है कि ऐसी किसी स्थिति में जिसमें मांग और आयात की मात्रा में वृद्धि हुई हो और घरेलू बिक्री में गिरावट आई हो, मंदी पर केवल घरेलू उद्योग पर प्रभाव डालने वाले कारक के रूप में विचार किया जा सकता है । वस्तुतः हितबद्ध पक्षकारों ने उस तरीके की पुष्टि नहीं की है जिस तरीके से मंदी का विचाराधीन उत्पाद पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा हो ।

#### ट. पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव:

##### मांग तथा बाजार हिस्सा

118. देश में उत्पाद की मांग का आकलन घरेलू उत्पादकों की घरेलू बिक्री तथा समस्त रूपों से हुए आयातों की मात्रा के रूप में किया गया है ।

मांग	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (2008-09)
आवेदक घरेलू उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***
सहयोगी घरेलू उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***
अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***
संबद्ध देशों से आयात	मी.ट.	4921.00	18011.50	13539.21	25513.11
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	44.70	368.77	6.99	251.35
कुल मांग	मी.ट.	47850	51984	52570	5003

यह नोट किया जाता है कि उत्पाद की मांग में क्षति अवधि के दौरान लगातार वृद्धि हुई है ।

#### आयात मात्रा तथा बाजार हिस्सा

119. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है ।

120. आवेदक ने वर्ष 2005-06, 2006-07 और 2007-08 के लिए डी जी सी आई एंड एस के प्रकाशित आंकड़ों एवं वर्ष 2008-09 के लिए आई बी आई एस के आंकड़ों के आधार पर आयातों से संबंधित सूचना प्रदान की है । इसके अलावा, संबद्ध देश के अनेक उत्पादकों/निर्यातकों ने प्राधिकारी को उत्तर दिया है । प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस कार्यालय से यह अनुरोध किया कि वे संबद्ध वस्तु के बारे में आयात के संगत आंकड़े उपलब्ध कराएं । इस प्रकार डी जी सी आई एंड एस द्वारा सूचित आयातों की मात्रा को स्वीकार किया गया है । यह देखा जाता है कि :

(क) क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देश से हुए संबद्ध वस्तु के हुए आयातों में समग्र रूप में अत्यधिक वृद्धि हुई है जैसा कि नीचे दर्शाया गया है :

विवरण	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (2008-09)
आयात मात्रा (मी.ट.)				
चीन जन.गण.	4,921	18,011.50	13,539.21	25,513.11
अन्य देश	44.70	368.77	6.99	251.35
कुल आयातक	4,965.70	18,380.27	13,546.20	25,764.46

आयातों में बाजार हिस्सा				
चीन जन.गण.	99.10	97.99	99.95	99.02
अन्य देश	0.90	2.01	0.05	0.98

(ख) आधार वर्ष की तुलना में भारत में उत्पादन तथा खपत के संबंध में संबद्ध देश से हुए आयातों में भारी वृद्धि हुई है ।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (2008-09)
घरेलू उद्योग उत्पादन के संबंध में पाटित आयात	%	35.92	139.02	109.68	211.68
भारत में खपत के संबंध में पाटित आयात	%	10.28	34.65	25.75	50.96

(ग) जहां संबद्ध देश के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई, वहीं भारतीय उत्पादकों के हिस्से में कमी आई ।

मांग में बाजार हिस्सा	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (2008-09)
आवेदक	%	27.42	20.01	20.22	16.20
सहयोगी	%	55.93	38.86	48.30	29.94
अन्य भारतीय उत्पादक	%	6.27	5.77	5.71	2.37
संबद्ध देश	%	10.28	34.65	25.75	50.96
अन्य देश	%	0.10	0.71	0.02	0.53

121. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि संबद्ध देश से हुए संबद्ध वस्तु के आयात की मात्रा में भारी वृद्धि हुई है । क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है । संबद्ध देश से हुए आयातों का हिस्सा जो आधार वर्ष में 10.28% था, जांच अवधि में बढ़कर 50.96% हो गया ।

### ठ. आयातों का कीमत प्रभाव

122. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में अत्यधिक गिरावट आई है अथवा होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जिसमें अन्यथा काफी अधिक वृद्धि हो गई होती । यह देखा जाता है कि संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुंच कीमत वर्ष 2005-06 तथा 2006-07 की

अवधि के दौरान निवल बिक्री प्राप्ति से काफी अधिक रही थी; तथापि यह घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम रही है जिसकी वजह से जांच अवधि के दौरान कीमत में भारी कटौती हुई है। स्थिति निम्नानुसार है :

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (2008-09)
पहुंच मूल्य	रु./मी.ट.	***	***	***	***
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रेंज %	(84.16)	(15.62)	5.64	18.12

123. आगे यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग कीमत हास की स्थिति होने के कारण बिक्री कीमतों लागत में वृद्धि के अनुरूप संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत नहीं बढ़ा सका।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (2008-09)
बिक्री की लागत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	153	201
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	134	190

124. घरेलू उद्योग से संबंधित अन्य क्षति मापदंडों पर निम्नानुसार चर्चा की गई है :-

### बिक्री मात्रा

125. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा का विश्लेषण किया गया था। स्थिति निम्नानुसार है :

घरेलू बिक्री मात्रा (मी.ट.)	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (2008-09)
आवेदक घरेलू उत्पादक	***	***	***	***
सहयोगी घरेलू उत्पादक	***	***	***	***
सहयोगी घरेलू उत्पादकों सहित आवेदक	***	***	***	***
अन्य घरेलू उत्पादक	***	***	***	***
भारतीय उद्योग	***	***	***	***

126. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू बिक्री मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई है। देश में संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि के बावजूद बिक्री में गिरावट देखी गई है।

### क्षमता तथा क्षमता उपयोग

इकाई	क्षमता मी.ट.	उत्पादन मी.ट.	क्षमता उपयोग %
2005-06	***	***	85
2006-07	***	***	80
2007-08	***	***	66
जांच अवधि (2008-09)	***	***	65

127. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान उत्पादन एवं क्षमता उपयोग दोनों में गिरावट आई है। सामान्य तौर पर घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं बिक्री में भारत में संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि के अनुरूप बढ़ोत्तरी होनी चाहिए थी, परंतु इसमें गिरावट देखी गई है। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में लगभग 12% की गिरावट आई जबकि घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग में लगभग 23% की गिरावट आई। जाहिर है कि घरेलू उद्योग जांच अवधि के दौरान अपनी उत्पादन क्षमता का उपयोग नहीं कर सका और उसका क्षमता उपयोग न्यूनतम स्तर पर रहा।

### कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक:

128. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों की वजह से घरेलू कीमतों में कटौती हो रही है। आयातों की पहुंच कीमत के साथ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और बिक्री कीमत की तुलना से यह पता लगता है कि आयातों की वजह से घरेलू उद्योग की कीमतों में भी हास हो रहा है।

मापदंड	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (जांच अवधि)
बनाने और बेचने की लागत	रु.।मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	150	153	200
निवल बिक्री कीमत	रु.।मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	126	134	190
लाभ/हानि	रु.।मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	-310	-280	-275
पाटित आयातों की पहुंच कीमत	रु.।मी.ट.	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचकांक	100	79	69	84
-----------	---------	-----	----	----	----

129. यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तु के आयात की पहुंच कीमत वर्ष 2005-06 और 2006-07 को छोड़कर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम रही है। तथापि, जांच अवधि के दौरान कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग लागत में हुई वृद्धि के अनुपात में उत्पाद की कीमत बढ़ाने में समर्थ नहीं हुआ है। जहां संबद्ध वस्तु की लागत में 100% की वृद्धि हुई, वहीं घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में मात्र 90% की वृद्धि हुई, जिससे कीमत में भारी हास हुआ।

लाभ/हानि, लगाई गई पूँजी पर आय तथा नकद प्रवाह

130. लाभ/हानि, लगाई गई पूँजी पर आय तथा नकद प्रवाह निम्नानुसार है :

		2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (जांच अवधि)
लाभ/हानि	लाख रु	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	-100	-246	-227	-170
लगाई गई पूँजी पर आय	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	-100	-239	-229	-164
नकद लाभ	लाख रु	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	-100	-264	-241	-174

131. यह देखा गया है कि वर्ष 2005-06 तक लाभप्रदता सकारात्मक थी। तथापि, लाभप्रदता में उसके बाद गिरावट आनी शुरू हुई और वह इतनी अधिक हो गई कि घरेलू उद्योग को घाटा उठाना पड़ा। निवेश पर आय और नकद लाभ में भी यही प्रवृत्ति दिखाई दी।

माल सूची:

132. माल सूची से संबंधित आंकड़े निम्नानुसार हैं :

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (2008-09)
औसत स्टॉक	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	50	60	174

133. यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि में माल सूची में वृद्धि हुई है। जाहिर है कि घरेलू उद्योग अपने संपूर्ण उत्पाद की बिक्री नहीं कर सका, जिससे मालसूची में वृद्धि हुई।

### रोजगार, मजदूरी तथा उत्पादकता

134. रोजगार, मजदूरी तथा उत्पादकता से संबंधित आंकड़े निम्नानुसार हैं:

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि(2008-09)
कर्मचारियों की संख्या	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	119	99
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	117	65
उत्पादन की प्रति इकाई	रु./मी.ट.	***	***	***	***
मजदूरी	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	129	74
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	77	76	89

135. यह देखा गया है कि कर्मचारियों की संख्या में कुछ कमी आई है । आवेदकों ने यह तर्क दिया है कि उत्पादक लघु क्षेत्र में हैं और वे रोजगार एवं मजदूरी का भुगतान करने में तब तक समर्थ नहीं हैं, जब तक कि उत्पादन जारी नहीं रहता है । अतः यह तर्क दिया गया है कि उत्पादन में आई किसी गिरावट से देश में रोजगार का प्रत्यक्ष नुकसान होता है । प्रदत्त कुल मजदूरी और उत्पादकता से आधार वर्ष की तुलना में गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है ।

### पाटन मार्जिन:

136. उपर्युक्त पाटन मार्जिन से संबंधित खंड से यह देखा गया है कि संबद्ध देश के बारे में पाटन मार्जिन अत्यधिक सकारात्मक है ।

### वृद्धि

137. यह नोट किया जाता है कि मात्रा और कीमत मापदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि में गिरावट आई है । वस्तुतः लाभप्रदता से संबंधित मापदंड नकारात्मक हो गए हैं ।

### निधियों को जुटाने की क्षमता:

138. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान प्रचालन अलाभकारी रहने की स्थिति में लघु क्षेत्र के घरेलू उत्पादक आगे निवेश करने में समर्थ नहीं हैं ।

### वास्तविक क्षति के बारे में निष्कर्ष

139. संबद्ध वस्तु की मांग आधार वर्ष में 100 (सूचकांक) से बढ़कर जांच अवधि में 104.62 (सूचकांक) हो गई, अर्थात् इसमें 4.62% की वृद्धि हुई। इसी अवधि के दौरान घरेलू बिक्री में 44% की वृद्धि हुई। इस प्रकार घरेलू उद्योग भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु की मांग में हुई वृद्धि का लाभ नहीं उठा सका।

140. यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तु के आयातों में समग्र रूप में एवं भारत में उत्पादन तथा खपत की तुलना में भारी वृद्धि हुई है। आयातों की वजह से घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही है। परिणामतः आयात में अत्यधिक वृद्धि तथा आयातित तथा घरेलू उत्पाद के बीच कीमत में भारी अंतर के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के निष्पादन में लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ, माल सूची एवं बाजार हिस्से के संबंध में गिरावट आई है। जांच अवधि के दौरान उत्पादन, बिक्री मात्रा तथा क्षमता उपयोग जैसे मापदंडों में भी गिरावट आई है। जांच अवधि के दौरान निष्पादन में आई गिरावट काफी अधिक और वास्तविक है। उपर्युक्त विश्लेषण से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

### उ कारणात्मक संबंध

141. पाटनरोधी नियमों के अनुसार प्राधिकारी पर अन्य बातों के साथ-साथ यह दायित्व है कि वह पाटित आयातों से इतर ऐसे किसी अन्य ज्ञात कारक की भी जांच करे जिससे उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है ताकि ऐसे अन्य कारकों द्वारा हुई क्षति को पाटित आयातों का कारण नहीं माना जा सके। इस संबंध में जो प्रासंगिक कारक हो सकते हैं, उनमें अन्य बातों के साथ-साथ शामिल हैं, पाटित कीमतों पर बेचे न गए आयातों की मात्रा और कीमत, मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन, दिशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रभाव और उनके बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी विकास एवं घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन एवं उत्पादकता।

142. इस बात की जांच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमावली में सूचीबद्ध अन्य मापदंडों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। यह पाया गया था कि :

क. तीसरे देशों से आयात :- प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीसरे देशों से हुए आयात नगण्य हैं और इनसे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

ख. मांग में कमी :- प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की समग्र मांग में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है।

ग. खपत की पद्धति :- प्राधिकारी की जानकारी में न तो खपत की पद्धति में कोई खास परिवर्तन आया है और न ही किसी हितबद्ध पक्षकार ने इस बारे में कोई अनुरोध किया है ।

घ. प्रतिस्पर्धा की स्थितियां :- घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि प्रतिस्पर्धा की स्थितियों अंथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार की वजह से घरेलू उद्योग ने क्षति का दावा नहीं किया है । किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने इस दावे का विरोध नहीं किया है ।

ङ. प्रौद्योगिकी विकास :- जांच से यह पता नहीं चला है कि प्रौद्योगिकी में ऐसा कोई खास परिवर्तन हुआ है, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है ।

च. घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन :- यद्यपि, घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा में वर्ष 2007-08 तक वृद्धि हुई और तत्पश्चात जांच अवधि में गिरावट आई, तथापि, प्राधिकारी द्वारा क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ घरेलू एवं निर्यात बाजार में कीमत और लाभप्रदत्त को अलग-अलग रखा गया है । अतः क्षति से संबंधित विश्लेषण का निर्यात निष्पादन के संभावित समावेषण की वजह से गलत निरूपण नहीं किया गया है । वस्तुतः घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि वे भारती बाजार में पाठित आयातों की मौजूदगी की वजह से देश में अपने उत्पाद की मांग में हुई कमी के कारण ही निर्यात करने के लिए बाध्य हुए हैं ।

143. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जहां सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को हुई किसी क्षति का पता नहीं चलता है, वही निम्नलिखित मापदंडों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को पाठित आयातों के कारण क्षति हुई है ।

(क) चीन जन.गण. से आयात घरेलू उद्योग की कीमत से कम कीमत पर उपलब्ध हैं । परिणामतः उपभोक्ता आयातों का उत्तरोत्तर सहारा ले रहे हैं, जिसकी वजह से आम तौर पर भारतीय उत्पादकों और खास तौर पर घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर गिरावट आई है ।

(ख) घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा का नुकसान हुआ है । परिणामतः घरेलू उद्योग एवं भारतीय उत्पादकों के बाजार हिस्से में गिरावट आई और आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई ।

(ग) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आई गिरावट के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में भारी गिरावट आई । इन मापदंडों में आई गिरावट की मुख्य वजह पाठित आयातों की मौजूदगी है ।

(घ) आयात पाटित कीमत पर हो रहे हैं, जिसकी वजह से घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती और कीमत में हास हो रहा है। परिणामतः घरेलू उद्योग को लाभ, निवेश पर आय एवं नकद प्रवाह के रूप में क्षति हुई है।

144 प्राधिकारी का यह विचार है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

#### ३. क्षति तथा क्षति मार्जिन की मात्रा

145. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत को हिसाब में लेते हुए घरेलू उद्योग के लिए संबद्ध वस्तु की क्षतिरहित कीमत का निर्धारण किया है। क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है :

क्र. सं.	निर्यातक	क्षति मार्जिन अम.डॉ प्रति कि.ग्रा.	क्षति मार्जिन रेज %
1.	मै. गुईज़ोऊ रेडस्टार डेवलपिंग कं. लि. (रेडस्टार) द्वारा मै. गुईज़ोऊ रेडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.	***	70-90
2.	मै. गुईज़ोऊ रेडस्टार डेवलपिंग डालोंग मांगनेसे इंडस्ट्री कं. लि. (डालोंग) द्वारा मै. गुईज़ोऊ रेडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.	***	70-90
3.	मै. गुईज़ोऊ होंगटाई कैमिकल कं. लि. (होंगटाई) द्वारा मै. अनहुई गारमेंट्स शूज एंड कैप्स इंडस्ट्रियल (ग्रुप) कं. (अनहुई)	***	30-50
4.	मै. चाइना होओहुआ कैमिकल इंडस्ट्री ग्रुप, टियानझू कैमिकल इंडस्ट्री कं., लि. (टियानझू)	***	40-60
5.	मै. चाइना होओहुआ कैमिकल इंडस्ट्री ग्रुप, टियानझू कैमिकल इंडस्ट्री कं., लि. (टियानझू) द्वारा मै. गुआंगज़ोऊ कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन	***	20-40
6.	मै. हुनान वेंगफेंग कैमिकल कं. लि. (वेंगफेंग) द्वारा मै. हुनान मिंट इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (मिंट)	***	10-20
7.	उपर्युक्त को छोड़कर चीन के अन्य सभी उत्पादक/निर्यातक.	***	80-100

#### ४. निष्कर्षः

146. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने तथा रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद का भारत को निर्यात इसकी संबद्ध सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है जिसकी वजह से उत्पाद का पाटन हुआ है। घरेलू

उद्योग को संबद्ध वस्तु की वजह से वास्तविक क्षति हुई है । यह वास्तविक क्षति संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों के कारण हुई है ।

#### त. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

147. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई "क्षति" को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा; अतः उपभोक्ताओं के लिए उन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

148. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है । तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी खासकर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित रखा जाएगा । इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी । उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो या उससे अधिक रूपों बनाए रख सकेंगे । अनुषंगी उद्योग पर प्रभाव को कम करने की दृष्टि से प्राधिकारी ने पाटन एवं क्षति मार्जिन, जो भी कम हो के आधार पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करना उचित समझा है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देश से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इस प्रकार उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

#### ठ. सफारिशें

149. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरूआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी और निर्यातिकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सकारात्मक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था । अधिनियम एवं पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में जांच शुरू करने के बाद तथा संबद्ध देश के मूल की या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की निश्चित तौर पर सकारात्मक पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि वर्तमान मामले में पाटन एवं "क्षति" को समाप्त करने के लिए निश्चयात्मक शुल्क लगाना अपेक्षित है । अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे उल्लिखित प्रपत्र में और तरीके से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ।

150. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कालम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

क्र.सं.	शीर्ष/ उप शीर्ष	वस्तु का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	28366000	वेरियम कार्बोनेट	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. गुर्ड्जोऊ रेडस्टार डेवलपिंग कं. लि.	मै. गुर्ड्जोऊ रेडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.	210.33	मी.ट.	अम.डॉ.
2.	28366000	वेरियम कार्बोनेट	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. गुर्ड्जोऊ रेडस्टार डेवलपिंग डालोंग मागानसे इंडस्ट्री कं. लि.	मै. गुर्ड्जोऊ रेडस्टार डेवलपिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.	205.92	मी.ट.	अम.डॉ.
3.	28366000	वेरियम कार्बोनेट	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. गुर्ड्जोऊ हांगताई कैमिकल कं. लि.	मै. अनहुई गारमैट्स शूज एंड कैप्स इंडस्ट्रियल (शुग) कं.	122	मी.ट.	अम.डॉ.
4.	28366000	वेरियम कार्बोनेट	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. चाईना हाओहुआ कैमिकल इंडस्ट्री शुग, तियानज्जोऊ कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि. (तियानज्जोऊ)	मै. चाईना हाओहुआ कैमिकल इंडस्ट्री शुग, तियानज्जोऊ कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि. (तियानज्जोऊ)	147.88	मी.ट.	अम.डॉ.
5.	28366000	वेरियम कार्बोनेट	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. चाईना हाओहुआ कैमिकल इंडस्ट्री शुग, तियानज्जोऊ कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि. (तियानज्जोऊ)	मै. गुआंगज्जोऊ कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट का०पारशन	102.19	मी.ट.	अम.डॉ.
6.	28366000	वेरियम कार्बोनेट	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. हुनान वेनफेग कैमिकल कंपनी लिमिटेड	मै. हुनान मिट इंपो.एंड एक्स. कंपनी लिमिटेड	76.06	मी.ट.	अम.डॉ.
7.	28366000	वेरियम कार्बोनेट	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	उपरोक्त क्र.सं. 1 से 6 से इतर अन्य कोई संयोजन		236	मी.ट.	मी.ट.
8.	28366000	वेरियम कार्बोनेट	चीन जन.गण. से इतर अन्य कोई	चीन जन.गण.	कोई	कोई	236	मी.ट.	अम.डॉ.
9.	28366000	वेरियम कार्बोनेट	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. से इतर अन्य कोई	कोई	कोई	236	मी.ट.	अम.डॉ.

151. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क द्वारा सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत निर्धारित आकलनीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3, 8 1, 8 1, 9 और 9 के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे ।

152. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी ।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

### (Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 10th December, 2010

#### Final Findings

**Subject : Anti-Dumping investigations concerning imports of 'Barium Carbonate' originating in or exported from China PR.**

**No. 14/18/2009-DGAD.**—Whereas the Designated authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter referred to as the AD Rules); recommended imposition of Anti Dumping duty on the imports of 'Barium Carbonate' originating in or exported from China PR.

#### A. Background of the Case

2. Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD Rules), the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) received a written application from M/s Athiappa Chemicals Pvt. Ltd., M/s Ellak Chem Industries Pvt. Ltd., M/s Prem Chemical Industries and M/s Victory Chemicals Ltd., (hereinafter referred to as the applicants) on behalf of the domestic industry, alleging dumping of 'Barium Carbonate' (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as the subject country).

3. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicants on behalf of the domestic industry issued a public notice dated 16<sup>th</sup> June, 2009 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigation concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject country, in accordance with the sub-rule 6(1) of the AD Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

4. The Authority recommended imposition of Anti-Dumping duties concerning 'Barium Carbonate' originating in or exported from China PR (falling under ITC HS sub-heading 28366000 vide its Preliminary findings Notification No 14/18/2009-DGAD dated 7<sup>th</sup> January 2010. The anti-dumping duty was imposed by the Govt. of India vide Notification No. 37/2010-Customs dated 23<sup>rd</sup> March 2010.

#### **B. PROCEDURE**

5. In these proceedings the procedure described herein-below has been followed:

- i. The Designated Authority sent a copy of initiation notification dated 16<sup>th</sup> June, 2009 to the Embassy of the subject country in India, known exporters from the subject country, known importers / users and the domestic industry as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- ii. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassy of the subject country in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules.
- iii. The Embassy of the subject country in India was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) of the AD Rules with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaires within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaires sent to the exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known exporters.
- iv. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in the subject country in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

S.N.	Name of Producer/ Exporter
1	Quinngdao Rising Intl Co Ltd
2	Anhui Garments Shoes & Caps Industrial (Group) Co.
3	Hunan Mint Import &Export Co Ltd
4	Guizhou Redstar Development Import Export Co Ltd
5	Hunan Mec Machinery &Electronic Imp &Expcorp
6	Hongkong Jingjiu Industrial Coltd
7	Tianjin Port Free Trade Zone & Shangshun Int Trade Co
8	Hubei Jingshan Chutian Barium Salt Corp Ltd
9	China Haohua Chemical Industry Grp Tianzhu Xinji Barium Co Ltd
10	Shangs Intl Trade Co
12	Chemiskey Co Ltd

- v. In response to the above notification, following exporters/ producers from the subject country have responded:

S.N.	Name of Producer/ Exporter
1	M/s Guizhou Hongtai Chemical Co. Ltd.

2	M/s Anhui Garments Shoes & Caps Industrial (Group) Co.
3	M/s Hunan Wanfeng Chemical Co. Ltd.
4	M/s Hunan Mint Imp & Exp Company. Ltd.
5	M/s Guizhou Redstar Developing Co. Ltd.
6	M/s Guizhou Redstar Developing Dalong Manganese Industry Co. Ltd.
7	M/s Guizhou Redstar Developing Import & Export Co. Ltd.
8	M/s Guangzhou Chemicals Import & Export Corporation
9	M/s China Haohua Chemical Industry Group, Tianzhu Chemical Industry Co. Ltd. (Tianzhu)
10	M/s Hubei Jingshan Chutian Barium Salt Corp. Ltd.

vi Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

S.N.	Name of Importer	S.N.	Name of Importer
1	M/s Gujarat Alkalies & Chemicals Ltd	13	M/s DCW Ltd
2	M/s Hindalco Industries Ltd.	14	M/s Pratik Chemicals
3	M/s Hind Lamps	15	M/s Saral Chem
4	M/s Videocon Industries Ltd	16	M/s Maruthi Chemical Company
5	M/s United Chemical Industries	17	M/s Devanshi Impex (P) Ltd
6	M/s Sparkling Traders (P) Ltd	18	M/s Laopala Rg Ltd
7	M/s Mineral Udyog	19	M/s Krishna Associate
8	M/s DCM Shriram Consolidated Ltd	20	M/s Om Glass Works (P) Ltd
9	M/s Reliance Industries Ltd	22	M/s United Chemical Industries
10	M/s Tamilnadu Petro Products Ltd	22	M/s Rishi Enterprises
11	M/s Sri Krishna Fireworks	23	M/s Prakash Chemicals Agencies
12	M/s Jaysree Chemicals	24	M/s Piramal Glass Ltd.

vii Responses to the Importer's questionnaire have been received from the following importers of the subject goods in India:

M/s Saral Chem, Mumbai; M/s Tirupati Industries, Alwar; M/s DCW Ltd.; Shri Krishna Chemical industries, Sivakasi and M/s Shriram vinyl & Chemical Industries, Kota.

Alkali Manufacturers' Association of India, *inter alia*, expressed its interest as a user of the subject goods and stated that imports of Barium Carbonate from China are being made because of the poor quality produced by the small scale manufacturers in the country. However, the Authority notes that the Association's claim has not been substantiated by any evidence.

**Delayed response filed by M/s. Schott Glass India Pvt. Ltd.**

Response from M/s. Schott Glass India Pvt. Ltd was filed much after the stipulated time period claiming that the company came to know about the present anti-dumping investigation on Barium Carbonate only after the issuance of the preliminary findings and hence they could not file any response within the prescribed period.

**Submissions made by the domestic industry**

The domestic industry has protested against acceptance of any response at such belated stage of the proceedings and stated that no amount of justification is sufficient in this regard contending that it cannot be accepted that a company came to know about the ongoing proceedings only after issuance of Preliminary Findings and that the statement made is false and fabricated and has been advanced merely as an excuse to get its response admitted. It has been further stated that the interested parties have to offer timely response.

**Examination by the Authority**

The Authority notes that it is responsibility of each interested party to submit its response by the stipulated period. However, considering that extension of time was obtained to complete this investigation, their submissions have also been examined.

- viii A Market Economy Treatment (MET) questionnaire was forwarded to all the known exporters/producers from the subject country and Embassy of China PR in New Delhi. For the purpose of initiation, the Normal value in China PR was considered based on the constructed cost of production of the subject goods in China PR, as the applicant pleaded that the information for market economy third country is not available to them. This claim has not been contested by any other interested party. The Authority informed known exporters that it proposes to examine the claim of the applicants in the light of paras 7 and 8 of Annexure I of the AD Rules. The exporters/producers of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 of the Annexure I of the AD Rules to enable the Authority to consider whether market economy treatment be granted to cooperative exporters/producers from China PR.
- ix The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- x Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigation.
- xi. The Authority, having regard to the Act and the AD Rules; vide Notification No. 14/18/2009-DGAD dated 7<sup>th</sup> January 2010 recommended imposition of Anti Dumping

duty on imports of the subject goods from the subject country. The Anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries was imposed vide Customs notification No. 37/2010 - Customs dated 23<sup>rd</sup> march 2010.

- xii. Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the domestic industry and the co-operating producers/exporters.
- xiii. In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 22<sup>nd</sup> April 2010. The parties, which presented their views in the public hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally. Interested parties were provided opportunity for rejoinder submissions on the views expressed by opposing interested parties. The arguments made in the written submissions / rejoinders received from interested parties have been considered, wherever found relevant, in these findings;
- xiv. In accordance with Rule 16 of the AD Rules, the essential facts considered by the Authority were disclosed to the known interested parties and comments received on the same have been duly considered, wherever found relevant, in these final findings.
- xv. Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicants on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.
- xvi. Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> April 2008 to 31<sup>st</sup> March 2009 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2005-March 2006, April 2006-March 2007, April 2007-March 2008 and the POI.
- xvii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded the information/data on the basis of the facts available.
- xviii. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xix. \*\*\* in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the AD Rules.

**C. Comments received on the Disclosure Statement**

The following comments, in brief, and to the extent found pertinent have been made by the interested parties:

**6. Post Disclosure Comments made by the Domestic industry**

6.1 Product under consideration: The domestic industry has reiterated that it has provided evidence that granular form of Barium Carbonate is also produced in India. The information provided by M/s. Solvay Vishnu Barium Pvt. Ltd. establishes that the company had been manufacturing granular form of product under consideration. However, the company has suffered so significant injury that they had to drop production of granular grade during the period of investigation.

6.2 Normal value & Dumping Margin: It has been contended that the Authority should follow its established practice of the Authority to consider international prices of the raw material and not the lower price of the domestic industry.

6.3 Price undertaking offer: Domestic industry has contended that the Designated Authority should reject the price undertaking offer by M/s Guizhou Redstar Developing Co. Ltd. and M/s Guizhou Redstar Developing Dalong Manganese Industry Co. Ltd. as the Chinese exporters MET claims have not been accepted on account of State interference in the operations of the companies and has further contended that State interference is such that circumvention of measures is inevitable, if price undertaking is accepted. The State can and will direct the company to take up orders/ business of other Chinese suppliers and there can be clear re-alignment of business between various Chinese producers at the instance/direction of the State.

6.4 Duties on fixed quantum basis: It has been contended that the anti dumping duty may be imposed only as fixed quantum of anti dumping duty (fixed form of duty), expressed as duty US\$/kg.

Duty in US\$: It has been contended that the duty should be imposed in terms of US\$ only.

**7. Post Disclosure Comments made by M/s. Schott Glass India Pvt. Ltd,**

7.1 Standing of the domestic industry: It has been contended that apparently three categories of producers have been clubbed together while determining whether the applicants had the standing: Applicants, Producers who gave support letters before initiation and producers who gave support letters after initiation. Producers who approached the authority after the preliminary findings have been included as supporters of the application to determine whether the 'application was made by or on behalf of the domestic industry'. While determining the application has been made by or on behalf of the domestic industry, the question of including the supporters who made themselves known after the initiation be not considered.

7.2 It has been further contended that the law recognizes those domestic producers who fully support by giving injury details and not those who merely do a lip service by giving a simple letter of support. Those who support the petition should provide all details regarding injury and causal link. If they do not provide such complete details, they should be treated as non-cooperating domestic producers and should not be considered for the purposes of determining standing, injury etc. Therefore, standing of the petitioners should be determined based on the production made by the petitioners' vis-à-vis aggregate production by all producers in India.

7.3 It has been contended that the production of granular grade by Solvay Vishnu Barium has been considered as production by domestic industry. While domestic industry has been defined to consist of only the petitioners, it logically follows that there was no domestic producer of granular grade. Solvay Vishnu was not producing granular barium carbonate and had provided an email communication as a confidential attachment which suggested that Solvay was not interested in producing granular grade unless they manufacture at least 1000 MT. With low demand for granular grade and stringent company policies of Solvay, the production had to come down. In any case, the claim of Solvay Vishnu that fall in the production is due to dumping cannot be sustained as only dumping cannot be held responsible for fall in production.

7.4 Further, in terms of Section 9B(ii), injury should be determined for the domestic industry. The term domestic industry as defined in Rule 2(b) would cover domestic producers as a whole or those producers who account for a major proportion of total domestic production. In this case, the petitioners do not account for a major proportion as shown below:

- a. Applicants: 12,053 metric tons (46%)
- b. Producers who gave support letters before initiation: 8,189 metric tonnes
- c. Producers who gave support letters after initiation: 5,959 metric tonnes

It has been contended that 46% is not a major proportion. Major proportion would require at least 50%.

7.5 Exclusion of granular grade: It has been reiterated that granular grade should be excluded from the scope of the present investigation. As far as Solvay Vishnu Barium is concerned, they did not expressly support the investigation at the time of initiation of investigation and have not provided any information in support of injury claim. Therefore, they cannot be considered as a part of domestic industry. The only information provided by them to the authority is their production figure. This information was also provided to the authority only recently. Furthermore, it is not disputed that only Solvay produces granular grade of Barium Carbonate and other producers forming the 'domestic industry' do not produce granular grade. As there is no production of the granular grade by the domestic industry, import of granular grade cannot injure it.

7.6 Reverse Substitutability: With regard to substitutability of powder grade with granular grade is concerned, the disclosure statement only contemplates a situation where granular grade can be used instead of powder grade but the reverse situation is not true. It is not

possible to substitute/use powder grade in place of granular grade as the end user industry requires granular grade for producing specialized glasses and tubes.

7.7 Computation of normal value and dumping margin: it has been contended that international prices of raw materials, conversion costs, SGA expenses etc. of the efficient domestic producer have been considered for determining constructed normal value; however, international prices have not been disclosed. Even the basic publicly available information such as the raw material used and source of their prices, conversion costs and even the indexed SGA expenses, have not been disclosed

7.8 The dumping margin determined for non-cooperating exporters: The dumping margin determined for cooperating exporters are in the range of 200 to 250%, while the dumping margin for non-cooperating exporters has been arrived at 600-630%. Schott Glass, an importer is concerned about not only the cooperative exporters but also the non-cooperative exporters as well. Such high dumping margin can be derived only by considering the 'adverse' facts available instead of reasonably considering all facts which are available before the authority. Rule 6(8) clearly provides that in the event of non-co-operation by the exporter findings has to be made based on the 'facts available' and not based on 'adverse' facts available.

**Post Disclosure Comments made by M/s Hubei Jingshan Chutian Barium Salt Corp. Ltd.**

7.9 M/s Hubei Jingshan Chutian Barium Salt Corp. Ltd. has contended that it has been cooperating in all procedures of the investigation including in the stage of original questionnaire; in the stage of the supplemental questionnaire; in the verification stage and that adequate evidences were submitted by them. It has been contended that in the MET as well as Exporters questionnaires, there is no specific question/s requesting explicitly for information of date of establishment. Related questions in both of these two questionnaires are only focusing on the current form of company, legal status, and the shareholding structures in the last three years of the exporter, rather than of a predecessor of this company 20 years ago.

7.10 It has been further contended that expression about date of establishment of Chutian other than that recorded on the business certificate, if any, should not be taken as valid one from legal perspective. What had been established in 1987 in Songhe was a factory of collectively-owned enterprise rather than a SOE and that there is no concealment of material fact in regard to the history of Chutian from the investigating authority.

**Post Disclosure Comments made by M/s Saral Chem.**

7.11 It has been contended that some of the supporting parties (local manufacturers) have sold the goods below the selling price of the imported material in the period of investigation. The internal competition among the domestic manufacturers is intense due to which the price of the product under consideration was less. If some of the domestic manufacturers

are in a position to sell the material at such a low price, then a thorough investigation needs to be done on the same. At the same prevailing time, they could have easily sold the material at nearly 50% higher price.

7.12 It has been contended that the final users of Barium Carbonate usually complain about the irregular supply of the Domestic Manufacturers. Keeping this in view, they have themselves started importing Barium Carbonate. Irregular supply of Barium Carbonate by the domestic manufacturers creates artificial supply scarcity, which leads to unreasonable fluctuations in the prices of the product, which is harmful for the industries consuming Barium Carbonate.

7.13 It has been contended that the domestic industries manufacturing Barium Carbonate do not have the production capacity to fulfill the requirements of the consumers. The manufacturing capacity of the applicants and the supporting applicants does not match the demand of the domestic consumers of Barium Carbonate.

## 8. Examination by the Authority

8.1 The submissions made by the interested parties in response to the Disclosure statement have been examined as follows and in relevant sections of these findings.

8.2 As regards Standing of the domestic industry, it has been acknowledged by M/s. Schott Glass India Pvt. Ltd that the applicants account for 46% of the total domestic production of Barium Carbonate in India, which is a major proportion of total domestic production in terms of Rule 2(b) of the AD Rules. Further Rule 5(3) of the AD Rules require that the authority shall not initiate an investigation pursuant to an application made under sub-rule (1) unless it determines, on the basis of an (a) examination of the degree of support for, or opposition to the application expressed by domestic producers of the like product, that the application has been made by or on behalf of the domestic industry and that the domestic producers expressly supporting the application account for more than 25% of the total production of the like article by the domestic industry. The Authority notes that as the applicants account for about 46% of the total domestic production of Barium Carbonate and further notes that no domestic producer has opposed the application; the 'Standing' requirement as per Rule 5(3) of the AD Rules is fully satisfied.

8.3 As regards exclusion of granular grade, the Authority notes that the granular grade of Barium Carbonate is being manufactured in India. Further the AD Rules, particularly stipulated in Annexure II of the AD Rules, require the Authority to, *inter alia*, determine injury by examination of the volume of the dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. Besides, if the granular form is to be excluded from the scope of the AD measures then it would negate the impact of the measure as granular form would continue to be imported at dumped prices and cause consequent injury to the domestic industry. The communication received from the

Department of Chemicals & Petrochemicals that "Barium Carbonate Granules can be converted to powder by pulverization also supports this view.

- 8.4 As regards the issue of computation of normal value and dumping margin, the methodology of the same was duly shared with the exporters. The international prices of raw-materials, namely Barites, Limestone, coal etc were obtained from the DGCI&S data. Separate normal values have been determined for granular and powder grade.
- 8.5 As regards the dumping margin determined for non-cooperating exporters, the Authority notes that the relevant provisions amplify that non-cooperation may lead to adverse inference based on 'facts available'.
- 8.6 As regards the submissions made by M/s Hubei Jingshan Chutian Barium Salt Corp. Ltd., the Authority notes that the company failed to disclose that it was set up in 1987 as a collectively owned enterprise, even though a specific question no. General A of the Exporter's questionnaire at the outset seeks information, *inter-alia*, when the company was established. The company not only concealed this fact but also failed to disclose the manner in which it was transformed / reformed despite an opportunity provided to them to explain the same.
- 8.7 As regards the issue that the applicants do not have the capacity to meet the demand, the Authority notes that the AD Rules do not require that the applicants domestic industry must meet the entire demand before seeking redressal of injury being caused to them on account of dumping. The Authority furtherer notes that the claim of irregular supply by the domestic manufacturers has not been substantiated by M/s Saral Chem.
- 8.8 As regards the issue of sales below the landed price by a domestic manufacturer is concerned, the Authority notes that it is a choice available to an enterprise either to lose the sale and take the impact on volume terms or match the price by taking the impact on price. However, in certain circumstances the impact may be on both the volume and price fronts.
- 8.9 As regards the nature of the proposed measure is concerned, the provisional duties were recommended in fixed form and in USD. The same has been followed in these final findings as well.

**D. Product under Consideration and Domestic Like Article**

9. The product under consideration in this investigation is 'Barium Carbonate' (hereinafter also referred to as "subject product" or "subject goods" or "product under consideration") originating in or exported from China PR.

Barium Carbonate is a harmful, non-flammable inorganic chemical in the form of a white powder and granules having chemical formula  $\text{BaCO}_3$  manufactured out of Barytes, a mineral product. Barium Carbonate has the following applications:

- a) Purification of brine solution in caustic soda industry.
- b) In production of Hard Ferrite Ring Magnets, Television Glass Shell, Neutral glass, Lamps, Heat treatment salts and other barium salts, rat poison, ceramic glazes and welding flux.
- c) Acts as a flux, matting and crystallizing agent and combines with certain colouring oxides to produce unique colours not easily attainable by other means.
- d) In the manufacture of heavy clay ceramic products because of its property of converting soluble sulfuric salts in the raw material into insoluble barium sulfate.
- e) In the brick, tile, earthenware and pottery industries Barium Carbonate is added to clays to precipitate soluble salts (calcium and magnesium sulfates) that cause efflorescence.

10. The subject goods fall under Chapter 28 of the Act under subheading no. 28366000. However, the Customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

**Submissions made by other interested parties**

11. M/s Guizhou Redstar Developing Co. Ltd. (Redstar), has submitted that they produce three grades of the product under consideration – calcined granules (high-value), compacted granules and powder (low value). However, M/s Redstar exports only powder grade to India through Guizhou Redstar Developing Import & Export Co. Ltd., their subsidiary company. Therefore, M/s Redstar has contended that comparison of the product under consideration should be done on grade-wise basis.

12. M/s Hubei Jingshan Chutian Barium Salt Corp. Ltd. has stated that they produce three type of barium carbonate i.e. light powder, liquid and dry granules and that the company has exported only light powder Barium Carbonate to India.

13. M/s. Schott Glass India Pvt. Ltd. has contended that powder grade is not suitable to make pharmaceutical glass tubes and that the domestic industry is not manufacturing granular Barium Carbonate and there was no other source in India who could cater to the granular grade demand and hence the same should be excluded from the scope of present investigation.

**Submissions made by Domestic industry**

14. The applicants have claimed that there is no known difference between the product manufactured by them and the subject goods imported from the subject country, which can have any impact on price, usage, quality etc. The applicants also claim that the technology and primary production process employed by them and the foreign producers are comparable.

15. Domestic industry has further contended that all the three forms are being produced in India and the injury in granule form was so high that M/s Solvay was forced to shut down the Plant. It has been contended that any reference to other cases is misplaced as there

was no domestic manufacturer in those cases producing the particular type. In the instant case, however, the product is being manufactured in India.

16. In response to M/s. Schott Glass India Pvt. Ltd. submissions, the domestic industry has submitted that the granular form of the subject goods could be easily consumed by those consumers, who otherwise required powder form. Submitting the transaction-wise imports data of the subject goods, it has been stated that a perusal of the same would show that the price difference between granular and powder form of Barium Carbonate is insignificant. In fact, once the current anti-dumping duties is added, it would be seen that the landed price of imports of granular form would become lower than powder form, in case granular form is excluded. Thus, possible exclusion of granular form would therefore imply that granular form would be cheaper than powder form. Since granular form can substitute powder form, it would imply continued dumping and continued injury to the domestic industry. Thus, any exclusion of the granular form of the subject goods would totally nullify the proposed measures. It has been further contended that if the granular form became cheaper than the powder form; it is a matter of common business sense that consumers would simply switch on to the granular grade. This way substitutability is clearly undisputed and therefore exclusion is vehemently opposed. It has been further stated that both granular and powder Barium Carbonate have the same customs classification.

17. The domestic industry has also drawn attention of the Authority to USITC AD determination in respect of Barium Carbonate and contended that the product scope included both the forms viz. Granular and Powder even though the US industry was not producing granular form. The ITC found that both granular and powder form of Barium Carbonate are used in specialty glass. The practical limit on interchangeability by the end customers are only in short term and the production process can be modified to accommodate a different form or grade of Barium Carbonate, if justified by cost and price difference. There is significant degree of overlap in the end-use and interchangeability between the two forms.

#### Examination by the Authority

18. From the submissions made by M/s Solvay Vishnu Barium Private Limited, it is seen that they do manufacture granular form of the subject goods in significant quantity. Besides, they have also claimed significant drop in their production and sale on account of dumping of the subject goods from China PR. Thus, there is no merit in the contention that granular form of the subject goods needs to be excluded from the ambit and scope of this investigation.

19. With regard to like article, Rule 2(d) of the AD Rules provides as under: -

*"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;*

20. With regard to the possible difference between the product sold by the exporters in the Indian market and the product sold by the domestic industry, it is observed that any difference in the physical characteristics of the subject goods, i.e., granule or powdered form does not exhibit the difference in the essential characteristics. All the grades of the subject goods share the same chemistry and powder form can be interchanged into granular form. It is not disputed that granular form can be used where powder form is required. Besides, a reference was also made to the Department of Chemicals and Petrochemicals. In response the Department clarified that "Barium Carbonate Granules can be converted to powder by pulverization".

21. After considering the information on record, particularly submissions of a Chinese producer that all the materials and relevant inputs are same for all three forms of Barium Carbonate i.e. Powder form, Granule form and Calcined granules; the Authority is of the view that differences in grades do not show any significant difference in product under consideration exported from subject country and the product produced by the Indian industry. The subject goods produced by the domestic industry are comparable to the product under consideration in terms of chemical characteristics, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. Thus, the Authority is of the view that product under consideration produced by the applicant domestic industry is like article to the product under consideration in accordance with the AD Rules.

#### **E. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING**

22. At the time of the initiation of this investigation, Rule 2(b) of the AD Rules read as follows:-

*"(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers may be deemed not to form part of domestic industry".*

23. However, post initiation, this Rule has been amended as follows:

*"(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers only"*

**Submissions made by other interested parties**

24. M/s Schott Glass India Pvt. Ltd. has contended that the applicants do not satisfy the 'major proportion' test. With the information available on record, the applicants account for only 35% of the domestic production. Even this percentage would be wrong if the production of the largest producer in India – Solvay Vishnu Barium is taken into account. Solvay Vishnu Barium was having a capacity of 40000 MTPA and was producing 30000MTPA of subject product. Solvay Vishnu Barium had not been considered as a producer of subject goods while arriving at the 'other producers' category as production figure for 'other producer' was a mere 6700 MT while Solvay was producing much more than that. There was no reason to exclude Solvay Vishnu Barium as a domestic producer.

**Submissions made by Domestic industry**

25. It has been contended that M/s. Schott Glass India Pvt. Ltd. has sought to substitute production by domestic production and that for 'Standing' determination; the domestic industry is required to be seen by considering production and not production meant for domestic market.

26. It has been further contended that without prejudice, there is no legal basis stating that 35% does not constitute a major portion. It is by now well settled law that major proportion merely means the significant portion.

27. It is reiterated that it is a very belated stage in the proceedings, when the Authority is being made to check Standing and scope of the domestic industry.

**Examination by the Authority**

28. The application has been filed by M/s Athiappa Chemicals Pvt. Ltd., M/s Ellak Chem Industries Pvt. Ltd., M/s Prem Chemical Industries and M/s Victory Chemicals Ltd. and supported by Small Scale Barium Manufacturer Welfare Association.

29. The submissions made by M/s Schott Glass India Pvt. Ltd. on 'Standing' issue have been examined. Necessary data in respect of domestic production of the subject goods during the POI by M/s Solvay Vishnu Barium was obtained and it has been noted that they produced \*\*\* MT of Barium Carbonate during the POI and in their communication they have supported the application of the AD Measures. The company has claimed that its production of granular form is quite significant and is meant for both domestic and export markets and that its production has declined steeply from \*\*\* MT in 2004-05 to \*\*\* in 2008-09 as a result of dumping.

30. As per the evidence available on record, it is seen that the applicants meet the 'Standing' requirements as per the AD Rules. The production of the applicants, namely, M/s Athiappa Chemicals Pvt. Ltd., M/s Ellak Chem Industries Pvt. Ltd., M/s Prem Chemical

Industries and M/s Victory Chemicals Ltd. account for a major proportion of the domestic production of like article. Further, the application has been supported by a number of domestic producers of the like Article, namely M/s. Amaravathi Chemicals & Fertilizers Pvt. Ltd., Hyderabad; M/s Bhargav Chemicals, Andhra Pradesh; M/s Jagadeeshwari Chemicals, AP; M/s Jaya Chemicals, Andhra Pradesh; M/s. Muruganantham Chemical & Co., Tamil Nadu; M/s Rahul Barium Salts, Hyderabad M/s R.K. Industrial Chemicals, Hyderabad and M/s Solvay Vishnu Barium Private Limited.

31. Post Disclosure it has been contended that the applicants must account for the major proportion (50%) of the domestic production. However, the Authority notes that the law on the subject is clear and mandates that the Rule 2(b) of the AD Rules is satisfied if the applicants constitute a major proportion of the total domestic production of Barium Carbonate. In the instant matter, it is noted that the applicants by themselves account for As per the evidence available on record, production of the applicants along with the supporters account for a major proportion of the domestic production and the same is more than 50% of the Indian production. The application thus satisfied the requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules. Further, M/s Athiappa Chemicals Pvt. Ltd., M/s Ellak Chem Industries Pvt. Ltd., M/s Prem Chemical Industries and M/s Victory Chemicals Ltd. are being treated as "domestic industry" within the meaning of Rule 2(b) read along with Rule 2(d) of the AD Rules.

**F. Subject Country**

32. The investigation was initiated concerning imports of the subject goods originating in or exported from China PR.

**G. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN**

**Normal Value in respect of producers/exporters from China PR**

33. The Authority sent questionnaire to the known exporters from the subject country, advising them to provide information in the form and manner prescribed. Response to the questionnaires were received from the following companies –

S.N.	Name of Producer/ Exporter
1	M/s Guizhou Hongtai Chemical Co. Ltd.
2	M/s Anhui Garments Shoes & Caps Industrial (Group) Co.
3	M/s Hunan Wanfeng Chemical Co. Ltd.
4	M/s Hunan Mint Imp & Exp Company. Ltd.
5	M/s Guizhou Redstar Developing Co. Ltd.
6	M/s Guizhou Redstar Developing Dalong Manganese Industry Co. Ltd.
7	M/s Guizhou Redstar Developing Import & Export Co. Ltd.
8	M/s Guangzhou Chemicals Import & Export Corporation
9	M/s China Haohua Chemical Industry Group, Tianzhu Chemical

	Industry Co. Ltd. (Tianzhu)
10	M/s Hubei Jingshan Chutian Barium Salt Corp. Ltd.

**Submissions made by Chinese exporters/producers**

**M/s Guizhou Hongtai Chemical Co. Ltd. (Hongtai)**

34. It has been stated that M/s Guizhou Hongtai Chemical Co. Ltd. (Hongtai) is the Producer and domestic seller of product concerned, but is not an exporter. M/s Guizhou Hongtai Chemical Co. Ltd sells the product concerned to a Chinese trading company namely M/s Anhui Garments Shoes & Caps Industrial (Group) Co. (Anhui). Then M/s Anhui resells (exports) the product to India. M/s Hongtai has responded to the questionnaire along with M/s Anhui.
35. It has been stated that there is no variation between the subject goods sold in the country of export and the product under consideration exported to India. All the materials and relevant inputs are purchased locally from several suppliers, including from State owned companies.

**M/s Anhui Garments Shoes & Caps Industrial (Group) Co. (Anhui)**

36. It has been stated that M/s Anhui Garments Shoes & Caps Industrial (Group) Co. (Anhui) is an exporter/trader of the subject goods, but is not a producer of the product concerned. As a trader, M/s Anhui exported the subject merchandise to India during POI. All Barium Carbonate manufactured by M/s Hongtai is in the form of powder. It has been stated that during the POI M/s Anhui neither sold the subject merchandise in home market nor exported it to countries other than India.
37. It has been further stated that the subject goods sold in domestic market are identical to those exported to India.

**M/s Hunan Wanfeng Chemical Co. Ltd. (Wanfeng)**

38. M/s Hunan Wanfeng Chemical Co. Ltd. (Wanfeng) is a producer and domestic seller of the product concerned, but is not an exporter. M/s Wanfeng sells the product concerned to a Chinese trading company namely M/s Hunan Mint Imp & Exp Co. Ltd. (Mint). Then, M/s Mint resells (exports) the product to India. M/s Wanfeng is the producer and supplier, whereas M/s Mint is the exporter. The two are not related.

**M/s Hunan Mint Imp & Exp Co. Ltd. (Mint)**

39. M/s Hunan Mint Imp & Exp Co. Ltd. (Mint) has filed a questionnaire response and MET response in this matter as an exporter. It has been stated that M/s Mint is an exporter/trader of the subject goods, but is not a producer of the product concerned.

**M/s Guizhou Redstar Developing Co. Ltd. (Redstar)**

40. M/s Guizhou Redstar Developing Co. Ltd. (Redstar) has filed a questionnaire response and MET response in this matter as a producer. It has been stated that M/s Redstar is a producer and sells the product concerned domestically, but is not an exporter. M/s Redstar sells the product to Guizhou Redstar Developing Import & Export Co. Ltd. (Redstar I/E). M/s Redstar I/E re-sells (exports) the subject goods to India.
41. It has been stated that M/s Redstar produces three grades of the subject product namely Calcined granules, Compacted granules and Powder. However, only powder grade has been exported to India. Therefore, M/s Redstar has requested comparison of cost and price of powder grade only with the Indian product. All the materials and relevant inputs are same for all three forms and purchased locally from several suppliers, including from State owned companies.
42. The major shareholder of M/s Redstar is Qingdao Redstar Chemical Industry Group Co. Ltd. (51.86%), which is a State-owned company. It is noted from the response of M/s Redstar that out of 11 directors, Qingdao Redstar appoints 8 directors and only 3 are independent. It has been stated that M/s Redstar and M/s Dalong are the only two entities within the REDSTAR Group producing Barium Carbonate. The major raw material Barites is procured from an affiliate, namely M/s Red Butterfly Industry.

**M/s Guizhou Redstar Developing Dalong Manganese Industry Co. Ltd. (Dalong)**

43. It has been stated that M/s Guizhou Redstar Developing Dalong Manganese Industry Co. Ltd. (Dalong) is a producer and domestic seller of the product concerned, but is not an exporter. M/s Dalong sells the product to M/s Guizhou Redstar Developing Import & Export Co. Ltd. (Redstar I/E). M/s Redstar I/E then re-sells (exports) the subject goods to India. It is stated that M/s Dalong is a subsidiary of Guizhou Redstar Developing Co. Ltd. (Redstar)

**M/s Guizhou Redstar Developing Import & Export Co. Ltd. (Redstar I/E)**

44. M/s Guizhou Redstar Developing Import & Export Co. Ltd. (Redstar I/E) has filed a questionnaire response and MET response in this matter as an exporter. It has been stated that M/s Redstar I/E is an exporter/trader of the subject goods produced by M/s Redstar and M/s Dalong.
45. M/s Guizhou Redstar Developing Import & Export Co. Ltd. (Redstar I/E) is also subsidiary company of M/s Guizhou Redstar Developing Co. Ltd. (Redstar). M/s Redstar I/E takes charge of import and export activities of the entire REDSTAR Group, and it is the only exporter of Barium Carbonate of REDSTAR Group. M/s Redstar I/E neither produces the product concerned nor sells the same in domestic market,

**M/s China Haohua Chemical Industry Group, Tianzhu Chemical Industry Co. Ltd. (Tianzhu)**

46. It is noted that M/s Tianzhu is a wholly State-owned company. M/s Tianzhu Chemical Industry Co Ltd is owned by M/s Haohua Northchem Corporation. M/s Hebei Xinji Chemical Group Co., Ltd., the original shareholder of M/s Tianzhu, transferred all of the shares of M/s Tianzhu to M/s Haohua Northchem Corporation on Jan. 15, 2008. The name of M/s Tianzhu was changed from China Haohua Chemical Industry Group, Tianzhu Xinji Barium Co., Ltd. to M/s China Haohua Chemical Industry Group, Tianzhu Chemical Industry Co., Ltd. on June 10, 2009.
47. It has been stated that M/s Tianzhu exported the product concerned to India directly during the POI as well. The channels of distribution were both direct exports to India to Indian end-user and as well through a trader. Besides, it also sold the subject goods to M/s Guangzhou (which is one of the company's customers) and that M/s Guangzhou resold the product concerned bought from M/s Tianzhu to India during the POI. As a producer, M/s Tianzhu cooperates with M/s Guangzhou for the export sales to India by M/s Guangzhou.
48. It is further stated that there is no variation between the subject goods sold in the country of export and the product under consideration exported to India.

**M/s Guangzhou Chemicals Import & Export Corporation (Guangzhou)**

49. M/s Guangzhou Chemicals Import & Export Corporation (Guangzhou) has filed a questionnaire response and MET response in this matter as an exporter. It has been stated that M/s China Haohua Chemical Industry Group, Tianzhu Chemical Industry Co., Ltd. (Tianzhu) is the supplier of M/s Guangzhou and that the entire product concerned exported to India during the POI was supplied by M/s Tianzhu.
50. M/s Guangzhou is a State-owned enterprise. M/s Guangzhou does not operate the domestic sales of the product concerned and only engages in the exports of the product concerned. M/s Guangzhou purchases the product concerned from domestic supplier and then resells it to India through a Hong Kong based trader, which acts as the agent of the Indian customer.
51. It has been stated that the subject goods sold in domestic market by the supplier M/s Tianzhu and the subject goods purchased from M/s Tianzhu and then exported to India by M/s Guangzhou are identical.

**M/s Hubei Jingshan Chutian Barium Salt Corp. Ltd.**

52. It has been stated that M/s Hubei Jingshan Chutian Barium Salt Corp. is the producer of product concerned. M/s Hubei Jingshan Chutian Barium Salt Corp. sells the product concerned in domestic market and also sells to India.

53. Though the company produces three type of Barium Carbonate i.e. light powder, liquid and dry granules, but has exported only light powder Barium Carbonate to India. The Company acquires major raw materials from several suppliers, including from State owned companies.

54. M/s Hubei Jingshan Chutian barium Salt Corp has contended that it has been granted market economy treatment ("MET") by EC in its antidumping investigation against imports of Barium Carbonate from China in mid 2005 and that the company therefore requests to grant MET to it pursuant to Article 8 in the annexure I of the AD Rules.

**Views of the domestic industry**

55. It has been contended by the domestic industry that China PR should be treated as non-market economy country, *inter alia*, stating that:

- **Market economy status cannot be given in a situation where one of the major shareholders is a State owned/controlled entity** – It has been contended by the Domestic industry that the European Commission has consistently held that possibilities of State interference cannot be ruled out in cases, where there is significant share of a State owned/controlled entity. It is further contended that it is not only the question of past interferences alone, but also possibilities of potential State interference in the future after the imposition of anti dumping duties that is relevant for granting market economy treatment.
- **Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values**: It has been contended by the Domestic industry that "substantially reflect market values" has been widely interpreted to mean that the price of these inputs must be comparable to the prices prevailing in the international market. The Domestic Industry contends that the fact that such prices are comparable to the price prevailing in China PR is grossly insufficient.
- **Major inputs include utilities**: It has been contended by the Domestic industry that production of the products concerned require power and fuel as a major item of utility. Admittedly, while the power supplier is a State-owned entity, insufficient information is available with regard to fuel supplier. It has not been established by the exporters that the price of utilities reflect fair market values.
- **Market economy status cannot be given unless the responding exporters establish that their books are audited in line with international accounting standards**: It has

been contended by the Domestic industry that Chinese exporters have repeatedly disputed the treatment of European Commission to reject market economy treatment in such situations where Chinese exporters are unable to establish that their books are consistent with Chinese GAAP. Chinese companies in such cases have been contending that the requirement of insisting on compliance with International Accounting Standards is beyond law. The European Commission has held that the requirement on insisting compliance with International Accounting Standards is to ensure accuracy and adequacy of revenues and expenses, assets and liabilities expressed in the annual report. To quote the European Commission, reliability of the accounts is not established with regard to this aspect unless the books are consistent with International Accounting Standards.

- **Market economy status cannot be granted even if one of the parameters is not satisfied:** It has been contended by the domestic industry that the European Commission has repeatedly insisted that market economy status cannot be granted unless the responding Chinese exporters pass the test in respect of each and every parameter laid down under the Rules.
- **Onus/obligations:** It has been contended by the domestic industry that it is not for the Authority to establish that the responding companies are indeed operating under market economy environment and are entitled for market economy treatment. On the contrary, it is for the responding Chinese exporters to establish that they are operating under market economy conditions.
- **Transformation:** It has been contended by the domestic industry that in a situation where the current shareholders have not set up their production facilities themselves but have acquired the same from some other party, market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.
- **Response from group as a whole** – It has been contended by the domestic industry that Market economy status cannot be granted unless the responding company and its group as a whole make the claim. If one or more companies forming part of the group have not filed the response, market economy status must be rejected, regardless of the fact whether or not the other companies of the group are involved in production or sale of the product under consideration. It has been contended that the Authority has applied such a test in the matter of Vitrified Tiles cases where the whole group has filed response in order to seek market economy status.
- It has been contended by the domestic industry that failure to satisfy a number of conditions mentioned above by the responding Chinese exporters, is sufficient to hold that Market economy status cannot be granted to responding Chinese companies and thus the Normal value should be determined in accordance with Para-7 of the Rules.

### **Examination of Market Economy claims in respect of China PR by the Authority**

56. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the AD Rules.

57. As per Paragraph 8 of Annexure I of the AD Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether: -

- the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

58. The Authority notes that consequent upon the initiation notice issued by the Authority; some Chinese producers and exporters have submitted their questionnaire responses including the market economy questionnaire responses and sought to rebut the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporter were examined for determination of Normal value of the responding producers/exporters of the subject goods from the subject country and deficiencies in the submissions were pointed out and clarifications were sought. Verification to the extent deemed necessary was conducted at the Office/ plant of the Chinese respondents.

### **M/s Hunan Wanfeng Chemical Co. Ltd**

59. The response filed by the company was perused and deficiencies were pointed out and clarifications sought. It has been noticed that the company had purchased an old plant from a State-owned company in 2006. In response to the query with regard to the process and valuation of the assets acquired from the erstwhile State-owned company, the

company has stated that the documents of calculation of assets acquired by the company are not kept. It has also been submitted by the company that there is no depreciation charged during 2006 and 2007 and the same has been made effective from 2008 onwards. In view of the above fact it is not possible to ascertain whether the production cost and financial situation of the company are subject to significant distortion carried over from the former non-market economy system in relation to depreciation and other write offs.

60. During the course of the on-spot verification, the company's representatives gave in writing that they choose not to further press their claim of Market Economy Status. In view of above, the company has been declared as the one which is operating under Non-Market conditions.

**M/s China Haohua Chemical Industry Group, Tianzhu Chemical Industry Co. Ltd.**

61. The response filed by the company was perused and deficiencies were pointed out and clarifications sought. It has been indicated by the company that 100% shareholding of the company is owned by M/s Haohua Northchem Corporation which is a State-owned company. It has also been stated that while transferring shares to the present shareholder valuation of the shares was not carried out. Further, the exporter company namely M/s Guangzhou Chemicals Imports & Exports Corporation is 100% owned by a State-owned company. In view of the fact that both producer and exporter are 100% State-owned companies, it cannot be ruled out that their operations regarding prices, costs and inputs, cost of technology and labour etc., are carried out with significant State interference.
62. During the course of the on-spot verification, the company gave in writing that they choose to forego their Market Economy claim. In view of the above, the company has been declared as the one which is operating under Non-Market conditions.

**M/s Guizhou Hongtai Chemical Co. Ltd and M/s Anhui Garments Shoes and Caps Industrial (Group) Co. Ltd.**

63. The responses filed by the companies were perused and deficiencies were pointed out and clarifications sought. In response to the query about the identity of the shareholders and the source of raising funds, the Company has mentioned that the shareholders made capital contribution by their own funds. However, no justifiable supporting documents about the source and actual contribution have been submitted by the producer/exporter.
64. During the course of the on-spot verification, the company's representatives stated that they did not want to press their claim of MET. Therefore, the company gave in writing that they choose to forego their claim of Market Economy Status. In view of above, the company has been declared as the one which is operating under Non-Market conditions.

**M/s Hubei Jingshan Chutian Barium Salt Corp. Ltd.**

65. The response filed by the company was perused and deficiencies were pointed out and clarifications sought. During the course of investigation, the Company reiterated its claim for the market economy status on account of granting MET status by the European

Commission for their Company for the same product investigated earlier. The company further claimed that they were operating under Market economy conditions and that all the parameters considered for granting MET status by DGAD are similar to parameters adopted by EC for granting the MET status.

66. The company Hubei Jingshan Chutian Barium Salt Co. Ltd. was established on 24.03.1998 as a Limited Liability Company ( Private) with registered capital of RMB \*\*\*. The business license in original was seen during the investigation, which showed that the company was in 1998. However, subsequently it came to the notice of the Authority that it was set up in 1987 and it became a private company through reformation. Accordingly, a letter dated 19<sup>th</sup> November 2010 was sent to the company seeking clarifications with relevant back up on the issue of transformation of the company to private company at each level of transformation. In response thereto, the company acknowledged, *inter alia*, that it was established in 1987 in Songhe town, Jingshan County was a factory of Collectively-owned enterprise. However, the company failed to reveal the process of transformation with relevant backup papers.
67. It is noted that the material fact that it was set up in 1987 was concealed from the Authority; and the manner in which it was transformed into a private company has not been revealed to the Authority despite an opportunity provided to them in this regard.
68. In view of the above, the company has been treated as non-cooperative for the purposes of this investigation.

**M/s Guizhou Redstar Developing Co. Ltd; M/s Guizhou Redstar Developing Dalong Manganese Industry Co. Ltd. and M/s Guizhou Redstar Developing Import & Export Co. Ltd.**

69. The responses filed by the companies were perused and deficiencies were pointed out and clarifications sought. It has been stated that M/s Qingdao Redstar Chemical Industry Group Co. Ltd., which is a State-owned company holds 51.86% of the shares of M/s Guizhou Redstar Developing Co. Ltd. Whereas M/s Dalong has two shareholders, namely M/s Guizhou Redstar Developing Co. Ltd and M/s Guizhou Redstar Developing Import & Export Co. Ltd. In view of the fact that the producers and exporter are State-owned companies, it cannot be ruled out that their operations regarding prices, costs and inputs, cost of technology and labour etc., are carried out with significant State interference.
70. At the time of on-spot verifications, initially the companies had reiterated their claim for the market economy status. However, considering significant State share-holding in the companies, they were advised to demonstrate that there is no significant State interference in their operations, drawing their specific attention to the measures meant for Supervision and Administration of State-Owned Assets of enterprises, particularly Articles 4, 5 6, 12, 13 etc. After detailed discussions, the companies could not demonstrate that State is not having significant interference in the affairs of the company

and it was acknowledged by the companies in writing that they could not demonstrate the MET claims up to the satisfaction of the investigation team.

71. However, M/s Guizhou Red Star Developing Co. and M/s Guizhou Redstar Developing Dalong Manganese Industry Co. Ltd. in their comments to the verification report have very surprisingly re-stated their MET claim.

72. As per Paragraph 8 of Annexure I of the AD Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the respondents from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The cooperating respondents are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:-

- the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and **without significant State interference in this regard**, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

73. Thus, in a situation where the companies are State owned/controlled entities, possibilities of State interference cannot be ruled out, particularly in the context of specific measures meant for Supervision and Administration of State-Owned Assets of enterprises wherein the State Council and the local governments perform the contributor's duties and enjoy the owner's rights and interests which includes administration of personnel and affairs.

74. Therefore, it has been considered that M/s Guizhou Redstar Developing Co. Ltd; M/s Guizhou Redstar Developing Dalong Manganese Industry Co. Ltd. and M/s Guizhou Redstar Developing Import & Export Co. Ltd. are not operating under Market Economy system.

75. Besides, the companies have offered price undertakings of USD \*\*\*/MT for all future export transactions of the subject goods. However, considering that the respondents' have not been granted MET status and consequently their production data has not been considered for the determination of their Normal values and dumping margins; there are likely to be practical difficulties in effectively monitoring the same; hence considering the facts and circumstances of the case, their offer of price undertaking is not being accepted.

### Other issues raised by Interested Parties

76. It has been contended by the Redstar group of companies that Normal Value could have been alternatively determined on the basis of M/s Redstar exports to other Market economy countries.
77. M/s Schott Glass India Pvt. Ltd. has, *inter alia*, has questioned that calculation of Normal value and dumping margin and requested the Authority to revisit the methodology used for determining Normal value.

### M/s Guizhou Redstar Developing Co. Ltd. (Redstar)

78. The exporter has contended that there is difference in the production process of the Indian manufacturers and the Chinese producer leading to difference in cost.

### Views of the Domestic industry

79. The domestic industry has claimed that by-product Sulphur, generated during the production process followed by the Chinese producer, is a low value product. However, Sodium sulphide generated as a by-product in the production process followed by the domestic industry is comparatively a high value product.

### Examination by the Authority

80. As regards the issue that determination of Normal Value could be on the basis of M/s Redstar exports to other Market economy countries is concerned, the Authority notes that that no discretion lies with the exporters to choose the option of the determination of the Normal Value, if the Normal value is not to be based on the domestic sales criteria. Rather, the choice lies with the Authority to do so. Therefore, the Authority has considered it appropriate to construct the Normal value for the Chinese respondents in terms of para 7 of Annexure 1 of the AD Rules.
81. The Authority has taken note of the submissions made by the interested parties and has constructed the Normal values of the Chinese respondents considering their consumption norms and process to the extent feasible.
82. It is further pointed out that disclosure of facts is contemplated under Rule 16 and the same has already been done to the concerned Chinese respondents vide the Disclosure statement.

### Determination of Normal value in respect of Exporters / Producers from China PR

83. As noted above, there are significant issues of market economy determination in respect of most of the responding producers/ and exporters from the subject country and considering that these respondents have either not pressed their MET claims or have

foregone the same / or have not been able to rebut the NME presumption, during the course of the on-spot verification, the Authority has determined the Normal value in their case on the basis of Para-7 to Annexure-I to the AD Rules.

84. Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides that

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments".

85. The Authority indicated, in the initiation notification and the preliminary findings that the applicants have claimed that China PR should be treated as Non Market Economy and therefore Normal value in case of China PR should be determined in accordance with Para 7 and 8 of Annex-I of the Rules. The applicants have submitted that India can be considered as an appropriate market economy third country for determination of Normal value in China PR, pleading that information for market economy third country is not available to them. This claim has not been contested by any other interested party.

86. For the purposes of this investigation, the Authority has determined the Normal values for the Chinese producers on available reasonable basis, in terms of second proviso of para 7 of Annexure I to the AD Rules. Accordingly, the ex-works Normal Values of the product under consideration have been determined based on constructed costs of production, duly adjusted. The Normal Values have been constructed as per the methodology described below:

#### **Methodology adopted for constructing Normal Value in case of China PR**

87. The Authority has constructed Normal value for the Chinese producers on the following basis –

- Prices of major inputs have been considered on the basis of international price of particular raw material prevailing during the POI.
- Consumption norms have been adopted on the basis of responding Chinese producer's information/data.

- Conversion costs have been adopted on the basis of information/data of efficient producer of the domestic industry.
- Selling, general & administrative costs have been taken on the basis of information/data of efficient producer of the domestic industry.
- Profit has been taken @ 5% of ex-factory cost excluding interest.

88. For the purposes of this investigation, Normal values have been determined for the powder and granular forms of the subject goods.

**Determination of Normal value in respect of Non-Co-operative Exporters /**

89. Since, no other response has been received from any other producer/exporter of the subject goods from the subject country; the Authority has decided to determine their Normal Value as per facts available in terms of Rule 6(8) of the AD Rules.

**H. EXPORT PRICE**

**Export price for the responding exporters**

**M/s Hunan Wanfeng Chemical Co. Ltd. (Wanfeng) through M/s Hunan Mint Imp & Exp Co. Ltd. (Mint)**

90. M/s Hunan Wanfeng Chemical Co Ltd is a Chinese producer of Product concerned. M/s Wanfeng does not directly export product concerned to India and sells the product concerned to unrelated Chinese trading companies, one of which is M/s Hunan Mint Imp & Exp Co Ltd (Mint). M/s Mint then exports the subject product to India.

91. It is noted that M/s Wanfeng has submitted that it produces two grades of Barium Carbonate viz. granular and powder and does not sell the products to India. But Mint has stated that it exported three grades of Barium Carbonate viz. granular, powder and high reaction efficiency powder. However, M/s Wanfeng has provided the relevant data for only the two grades.

92. The Authority examined whether the export prices in respect of responding exporter could be determined on the basis of questionnaire responses filed by these interested parties. The Authority notes that M/s Mint has apparently procured the goods from various sources and only one of its suppliers, namely M/s Wanfeng has cooperated with them in this investigation. During the course of the on-spot verification, M/s Mint identified the transactions that have been procured by it from M/s Wanfeng during the POI.

93. The Authority examined whether the export prices in respect of responding exporter could be determined on the basis of questionnaire responses filed by these interested

parties. The export prices have been allowed as claimed by the responding exporter/producer, subject to minor corrections made in the data during the course of the on-spot verification.

94. Export price to India has thus been determined for the subject goods after making adjustments on account of inland freight, ocean transportation, ocean insurance, handling charges, negotiating charges, credit costs and bank charges. Besides, adjustment for VAT has also been made. Further the SGA expenses for the exporter have also been adjusted for the determination of ex-factory export price. The net export price so determined works out to US \$ \*\*\* MT.

**M/s Guizhou Redstar Developing Co. Ltd. (Redstar) through M/s Guizhou Redstar Developing Import & Export Co. Ltd. (Redstar I&E)**

95. M/s Guizhou Redstar Developing Co Ltd (Redstar) is a Chinese producer of product concerned. M/s Guizhou Redstar Developing Co Ltd does not directly export product concerned to India, and sells the product concerned to their subsidiary Chinese trading company, which is M/s Guizhou Redstar Developing Import & Export Co. Ltd. (Redstar I&E). M/s Redstar I&E then exports the product to India. All the subject goods exported by REDSTAR Group to India were in powder form.

96. The Authority examined whether the export prices in respect of responding exporter could be determined on the basis of questionnaire responses filed by these interested parties. The export prices have been allowed as claimed by the responding exporter/producer, subject to minor corrections made in the data during the course of the on-spot verification.

97. Export price to India has thus been determined for the subject goods after making adjustments on account of ocean transportation, ocean insurance, handling & auxiliary fees and credit costs. Besides, adjustment for VAT has also been made. Further the SGA expenses and profit margin for the exporter have also been adjusted for the determination of ex-factory export price. The net export price so determined works out to US \$ \*\*\* MT.

**M/s Guizhou Redstar Developing Dalong Manganese Industry Co. Ltd. (Dalong) through M/s Guizhou Redstar Developing Import & Export Co. Ltd. (Redstar I&E)**

98. M/s Guizhou Redstar Developing Dalong Manganese Industry Co Ltd (Dalong) is a Chinese producer of product concerned. M/s Dalong does not directly export product concerned to India and sells the product concerned to their subsidiary Chinese trading company, which is M/s Guizhou Redstar Developing Import & Export Co. Ltd. (Redstar I&E). M/s Redstar I&E then exports these products to India. M/s Dalong only produced and sold powder form of the subject goods during the period of investigation (“POI”).

996. The Authority examined whether the export prices in respect of responding exporter could be determined on the basis of questionnaire responses filed by these interested parties. The export prices have been allowed as claimed by the responding

exporter/producer, subject to minor corrections made in the data during the course of the on-spot verification.

100. Export price to India has thus been determined for the subject goods after making adjustments on account of ocean transportation, ocean insurance, handling & auxiliary fees and credit costs. Besides, adjustment for VAT has also been made. Further the SGA expenses and profit margin for the exporter have also been adjusted for the determination of ex-factory export price. The net export price so determined works out to US \$ \*\*\* MT.

**M/s Guizhou Hongtai Chemical Co. Ltd. (Hongtai) through M/s Anhui Garments Shoes & Caps Industrial (Group) Co. (Anhui)**

101. M/s Guizhou Hongtai Chemical Co. Ltd. (Hongtai) is a Chinese producer of product concerned. M/s Hongtai does not directly export product concerned to India and sells the product concerned to unrelated Chinese trading companies, one of which is M/s Anhui Garments Shoes & Caps Industrial (Group) Co. (Anhui). M/s Anhui then exports the product to India.

102. The Authority examined whether the export prices in respect of responding exporter could be determined on the basis of questionnaire responses filed by these interested parties. The export prices have been allowed as claimed by the responding exporter/producer, subject to minor corrections made in the data during the course of the on-spot verification.

103. Export price to India has thus been determined for the subject goods after making adjustments on account of port charges, inland transportation, overseas transportation, insurance, bank charges and credit costs. Besides, adjustment for VAT has also been made. Further the SGA expenses for the exporter have also been adjusted for the determination of ex-factory export price. The net export price so determined works out to US \$ \*\*\*/ MT.

**M/s China Haohua Chemical Industry Group, Tianzhu Chemical Industry Co., Ltd. (Tianzhu)**

104. It has been stated that M/s China Haohua Chemical Industry Group, Tianzhu Chemical Industry Co., Ltd. (Tianzhu) exported the product concerned to India directly during the POI as well. The channels of distribution were both direct exports to India to Indian end-user and as well through a trader.

105. The Authority examined whether the export prices in respect of respondent could be determined on the basis of questionnaire responses filed by them. The export prices have been allowed as claimed by the respondent, subject to minor corrections made in the data during the course of the on-spot verification.

106. Export price to India has thus been determined for the subject goods after making adjustments on account of overseas freight, overseas insurance, export packing, inland

freight & port expenses and bank charges as claimed by the respondent. Besides, adjustment for VAT has also been made; which works out to \*\*\* US \$ /MT.

**M/s China Haohua Chemical Industry Group, Tianzhu Chemical Industry Co. Ltd. (Tianzhu) through M/s Guangzhou Chemicals Import & Export Corporation (Guangzhou)**

107. Besides selling directly, M/s Tianzhu also sold the subject goods to Guangzhou, which were resold by M/s Guangzhou to India during the POI. As a producer, M/s Tianzhu cooperates with M/s Guangzhou for the export sales to India by M/s Guangzhou.

108. The Authority examined whether the export prices in respect of respondents could be determined on the basis of questionnaires responses filed by them. It has been noted that all the transactions were of the Granular form of the subject goods. The export prices have been allowed as claimed by the responding exporter/producer, subject to minor corrections made in the data during the course of the on-spot verification.

109. Export price to India has thus been determined for the subject goods after making adjustments on account of export packing, port expenses, overseas freight and bank charges. Besides, adjustment for VAT has also been made. Further the SGA expenses for the exporter have also been adjusted for the determination of ex-factory export price. It is also noted that the subject goods have been supplied through a Hong Kong based entity, whose details of expenses etc were not provided. Thus, the SGA expenses and profit margin have been determined for the trader on a reasonable basis @ \*\*\*% for the determination of ex-factory export price; which works out to \*\*\* US \$ / MT.

**Determination of Export Price in respect of Non-Co-operative Exporters/Producers**

110. Since, no other response has been received from any other producer/exporter of the subject goods; the Authority has decided to determine their Export Price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the AD Rules. The data has been collated as per the information provided by the Applicants and the information provided by the co-operative exporters.

**I. Dumping Margin**

111. Considering the Normal values and Export prices as determined above for the product subject to investigation, the dumping margins have been determined as follows:

Sr. No	Exporter	Country	Dumping Margin US\$ per MT	Dumping Margin as % range
1.	M/s Guizhou Redstar Developing Co. Ltd. (Redstar) through M/s Guizhou Redstar	China PR	***	220-260%

	Developing import & Export Co. Ltd.			
2.	M/s Guizhou Redstar Developing Dalong Manganese Industry Co. Ltd. (Dalong) through M/s Guizhou Redstar Developing import & Export Co. Ltd.	China PR	***	270-310%
3.	M/s Guizhou Hongtai Chemical Co. Ltd. (Hongtai) through M/s Anhui Garments Shoes & Caps Industrial (Group) Co. (Anhui)	China PR	***	210-250%
4.	M/s China Haohua Chemical Industry Group, Tianzhu Chemical Industry Co. Ltd. (Tianzhu)	China PR	***	230-270%
5.	M/s China Haohua Chemical Industry Group, Tianzhu Chemical Industry Co. Ltd. (Tianzhu) through M/s Guangzhou Chemicals Import & Export Corporation	China PR	***	120-160%
6.	M/s Hunan Wanfeng Chemical Co. Ltd. (Wanfeng) through M/s Hunan Mint Imp & Exp Co. Ltd. (Mint)	China PR	***	50-90 %
7.	All other Chinese producers/exporters except as mentioned above.	China PR	***	470-500 %

#### J. INJURY AND CAUSAL LINK

##### 112. Submissions made by other interested parties

- M/s. Schott Glass India Pvt. Ltd. has requested to consider the impact of recession on the outcome of present investigation.
- It was further contended that the landed value, net sales realization arrived by domestic industry in their written submission was incorrect.
- It has further requested the Authority to consider the latest developments that has taken place in the last few months and were having an impact on the subject investigation.
- Some interested parties have questioned the calculation of injury margin and appropriateness of percentage of return on capital employed for computing NIP. It has been contended that the policy of adopting 22% return on capital employed has been borrowed from NPPA, which gives undue protection to domestic industry.

4724627710 - 11

**Submissions made by domestic industry**

113. The domestic industry has claimed that they have suffered material injury as a result of dumping of the subject goods from China PR. The imports of the product under consideration have increased in absolute terms and in relation to production and consumption in India. The imports are undercutting the prices of the domestic industry. Continued presence of the Chinese suppliers in the Indian market has forced the domestic industry to reduce its domestic prices. The performance of the domestic industry has deteriorated, as a consequence, in terms of market share, production, capacity utilization, sales, profits, return on investment and cash flow.

The domestic industry has disputed the contention of the interested parties regarding the computation of the NIP and has stated that there is no reason why the Authority should re-consider well-established practice in this regard.

In a situation where the demand and import volumes have increased and domestic sales have declined, there is no basis for the argument that recession could have been one of the possible factors for injury. It is by now well settled law that the Authority is required to examine only those factors which are made known to the Designated Authority. Further, while making such factors known to the Designated Authority, the obligation to establish injury on account of such factor and quantify the quantum of injury due to such other factors is on the interested parties and not on to the domestic industry and the Authority.

**Examination by the Authority**

114. Rule 11 of the AD Rules read along with its Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "...taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles..." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

115. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the AD Rules. It is clarified that the examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2005-March 2006, April 2006-March 2007, April 2007-March 2008 and the POI; and any post POI development could be duly considered in a review investigation after giving due opportunity to all interested parties.

116. As regards issue regarding computation of the NIP is concerned, the Authority considers that it has appropriately determined NIP as per its well established practice.

117. As regards impact of recession, the Authority finds merit in the submissions of the domestic industry that in a situation where the demand and import volumes have increased and domestic sales have declined, recession could not be considered as singularly impacting the domestic industry alone. In fact, the interested parties have not substantiated that the manner in which recession has adversely impacted the product under consideration.

**K. Volume Effects of Dumped Imports:**

**Demand and market share**

118. The demand of the subject goods in the Country has been assessed as the sum of domestic sales of the domestic producers and imports from all sources.

Demand	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI (2008-09)
Sales of the Applicants domestic producers	MT	***	***	***	***
Sales of Supporting domestic producers	MT	***	***	***	***
Sales of other domestic producers	MT	***	***	***	***
Imports from Subject Countries	MT	4921.00	18011.50	13539.21	25513.11
Imports from Other Countries	MT	44.70	368.77	6.99	251.35
Total Demand	MT	47850	51984	52570	50063

It is noted that demand for the product consistently increased over the injury period.

**Import volumes and market share**

119. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

120. The Applicant has provided information with regard to imports based on published data of DGCI&S for 2005-06, 2006-07 and 2007-08 and IBIS data for 2008-09. Further, a number of producers/exporters from the subject country have responded to the Authority. The Authority requested the office of DGCI&S for making available the relevant import

details as regards the subject goods. Thus, the volume of imports reported by DGCI&S has been adopted. It is seen that: -

a) The imports of the subject goods from the subject country have increased substantially in absolute terms during the injury period as shown below:

Particulars	2005-06	2006-07	2007-08	POI (2008-09)
<b>Imports Volume (MT)</b>				
China PR	4,921	18,011.50	13,539.21	25,513.11
Other Countries	44.70	368.77	6.99	251.35
Total Imports	4,965.70	18,380.27	13,546.20	25,764.46
<b>Market Share in imports</b>				
China PR	99.10	97.99	99.95	99.02
Other Countries	0.90	2.01	0.05	0.98

b) The imports from the subject country have increased significantly in relation to production and consumption of the subject goods in India as compared to the base year.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI(2008-09)
Dumped imports in relation to domestic industry production	%	35.92	139.02	109.68	211.67
Dumped imports in relation to consumption in India	%	10.28	34.65	25.75	50.96

c) While the market share of the subject country has increased, the share of Indian producers has declined.

Market Share in Demand	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI(2008-09)
Applicants	%	27.42	20.01	20.22	16.20
Supporters	%	55.93	38.86	48.30	29.94
Other Indian producers	%	6.27	5.77	5.71	2.37
Subject country	%	10.28	34.65	25.75	50.96
Other Countries	%	0.10	0.71	0.02	0.53

121. It is seen from the above table that volume of import of the subject goods from the subject country has increased significantly. The share of domestic industry has decreased

over the injury period. The share of imports from the subject country, which was 10.28 % in the base year, has gone up to 50.96 % in the POI.

#### **L. Price effect of imports**

122. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like articles in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. It is seen that the landed price of imports of the subject goods was much higher than the Net Sales Realisation during the 2005-06 and 2006-07 periods; however, it became significantly below the selling prices of the domestic industry, resulting in significant price undercutting during the POI. The position is as follows.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI(2008-09)
Landed value	Rs./MT	***	***	***	***
Net Sales Realisation	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting	as %	(84.16)	(15.62)	5.64	18.12

123. It is further seen that the domestic industry could not increase its selling prices of the subject goods in line with the increase in cost of sales leading to the situation of price suppression.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI(2008-09)
Cost of Sales	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	150	153	201
Net Sales Realisation	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	126	134	190

124. The other injury parameters relating to the domestic industry are discussed below:

#### **Sales volumes**

125. Sales volumes of the domestic industry were analyzed over the injury period. The position is as follows:

Domestic Sales volume (Mt)	2005-06	2006-07	2007-08	POI (2008-09)
Applicants Domestic producers	***	***	***	***

Supporting Domestic producers	***	***	***	***
Applicants with Supporting Domestic producers	***	***	***	***
Other Domestic producers	***	***	***	***
Indian Industry	***	***	***	***

126. The Authority notes that the domestic sales volume have decreased significantly over the injury period. The decline in sales has been noted in spite of increase in demand for the subject goods in the country.

#### Capacity and Capacity Utilization

Unit	Capacity	Production	Capacity utilization
	Mt	Mt	%
2005-06	***	***	85
2006-07	***	***	80
2007-08	***	***	66
POI(2008-09)	***	***	65

127. The Authority notes that both the production and the capacity utilization have declined over the injury period. Ordinarily the production and the sales of the domestic industry should have increased with the increase in demand of the subject goods in India but it has shown a decline instead. The production of the domestic industry has declined by about 12% during the period of investigation whereas the capacity utilisation of the domestic industry has declined by about 23%. Apparently, the Domestic industry is not able to utilize its production capacity, and the capacity utilization is at lowest level during the period of investigation.

#### Factors affecting prices:

128. The Authority notes that imports are undercutting the domestic prices. Comparison of cost of production and selling price of the domestic industry along with the landed price of the imports shows that the imports are also suppressing prices of the domestic industry.

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (POI)
Cost to make & sell	Rs\MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	150	153	200
Net Selling price	Rs\MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	126	134	190
Profit/loss	Rs\MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	-310	-280	-275

Landed price of dumped import.	Rs\MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	79	69	84

129. It is observed that the landed price of imports of the subject goods is significantly below the selling price of domestic industry, except during 2005-06 and 2006-07 periods. However, significant price undercutting is seen during the POI. Besides, the domestic industry has not been able to increase the prices of the product in proportion to the cost increases. While the cost of subject goods has gone up by 100% whereas the selling price of domestic industry has gone by only 90% thus leading to significant price suppression as well.

#### Profit/Loss, return on investment and cash profits

130. The position of Profit/Loss, return on investment and cash profits is as follows:

		2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (POI)
Profit loss	Rs./lacs	***	***	***	***
Trend	Index	-100	-246	-227	-170
Return on Investment	%	***	***	***	***
Trend	Index	-100	-239	-229	-164
Cash profit	Rs. Lacs	***	***	***	***
Tend	Index	-100	-264	-241	-174

131. It is observed that the profitability was positive till 2005-06. However, the profitability started declining thereafter significantly to such an extent that the domestic industry suffered losses thereafter. Return on investment and cash profits have followed a similar trend.

#### Inventories:

132. Data relating to inventories shows as follows

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI(2008-09)
Average Stock	Mt	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	50	60	174

133. It is noted that inventories have increased in the POI. Apparently, the domestic industry is not able to sell its produce completely resulting in increase in the inventories.

#### Employment, wages and productivity

134. The data relating to employment, wages and productivity is as follows:

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI(2008-09)
Number of employees-	Nos	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	123	119	99
Wages-	Rs.Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	97	117	65
Wages per unit of production-	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	129	74
Productivity per employee-	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	77	76	89

135. It is seen that there was some decline in number of employees. The Applicants have contended that producers are in small-scale sector and cannot afford to hold employment and pay wages, unless the production continues. It has been contended that any loss of production therefore directly leads to loss of employment in the Country. Total Wages paid and productivity shows a declining trend as compared to the base year.

**Dumping Margin:**

136. It is observed from the section pertaining to Dumping Margin above that dumping margins in respect of the subject country are significantly positive.

**Growth**

137. It is noted that the growth of the domestic industry shows a declining trend in respect of volume as well as price parameters. In fact, parameters relating to profitability have become negative.

**Ability to raise funds:**

138. The Authority notes that the domestic producers are in small-scale sector and cannot afford to invest further, should the present operations remain non-profitable.

**Conclusion on material injury**

139. The demand of the subject goods has increased from 100 (Index) in the base year to 104.62 (Index) in POI, i.e., it increased by 4.62 %. During the same period, the domestic sales have declined by 44%. Thus, the domestic industry has not been able to take advantage of the increase in demand of the subject goods in the Indian market.

140. It is seen that the imports of the subject goods have increased significantly in absolute terms and in relation to production & consumption in India. The imports are significantly

undercutting the prices of the domestic industry. As a result, of the significant increase in imports and price difference between the imported and domestic product, the performance of the domestic industry has deteriorated in terms of profits, return on investments, cash profit, inventories and market share. The parameters such as production, sales volumes, and capacity utilization have also declined during the POI. The deterioration in the performance during the period of investigation is quite significant and material. The above analysis shows that the domestic industry has suffered material injury.

#### M. Causal Link

141. As per the AD Rules, the Authority is, *inter alia*, obligated to also examine any known factors other than the dumped imports, which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors are not attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, *inter alia*, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry.

142. It was examined whether these other parameters listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It was found that:

- Imports from Third Countries: - The Authority notes that imports from third countries are negligible and thus could not have caused injury to the domestic industry.
- Contraction in Demand: - The Authority notes that the overall demand for subject goods has shown positive growth during the injury period.
- Pattern of consumption: - No significant change in the pattern of consumption has come to the knowledge of the Authority, nor any interested party has made any submission in this regard.
- Conditions of competition: - The domestic industry has contended that the conditions of competition or trade restrictive practices are not responsible for the injury claims of the domestic industry. No other interested party has disputed this claim.
- Developments in technology: - The investigation has not shown that there was any significant change in technology, which could have caused injury to the domestic industry.
- Export performance of the domestic industry: - While, the export volumes of the domestic industry have increased till 2007-08 and then declined in the POI, the price and profitability in the domestic and export market has been segregated by the Authority for the purpose of the injury assessment. Therefore, the analysis in respect of injury is not misrepresentative due to possible inclusion of export performance. In

fact, the domestic industry has contended that they are being forced to export only because of lack of demand for their product in the Country because of presence of the dumped imports in the Indian market.

143. The Authority notes that while listed known other factors do not show injury to the domestic industry, the following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports.

- (a) The imports from China PR are available at prices lower than the prices of the domestic industry. Consequently, the consumers are increasingly switching over to imports, thus leading to loss of market share for the Indian Producers in general and domestic industry in particular.
- (b) The domestic industry has lost sales volumes. Consequently, market share of the domestic industry and Indian Producers declined and that of the imports increased.
- (c) As a consequence of decline in market share of the domestic industry, production & capacity utilization of the domestic industry deteriorated materially. The deterioration in these parameters is apparently due to presence of the dumped imports.
- (d) The imports are occurring at dumped prices and are undercutting and suppressing the prices of the domestic industry. Consequently, the domestic industry has suffered injury in terms of profits, return on investment and cash flow.

144. The Authority is of the view that material injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports.

#### N. Magnitude of injury and injury margin

145. The Authority has determined non-injurious prices of the subject goods for the domestic industry taking into account the cost of production of the domestic industry. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject imports to determine injury margin. The injury margins have been worked out as follows:

Sr. No	Exporter	Injury Margin US\$ per Kg	Injury Margin as %
1	M/s 'Guizhou Redstar Developing Co. Ltd. (Redstar) through M/s Guizhou Redstar Developing import & Export Co. Ltd	***	70-90
2	M/s 'Guizhou Redstar Developing Dalong Manganese Industry Co. Ltd. (Dalong) through M/s 'Guizhou Redstar Developing import & Export Co. Ltd.	***	70-90
3	M/s 'Guizhou Hongtai Chemical Co. Ltd.	***	30-50

(Hongtai) through M/s Anhui Garments Shoes & Caps Industrial (Group) Co. (Anhui)			
4. M/s China Haohua Chemical Industry Group, Tianzhu Chemical Industry Co. Ltd. (Tianzhu)	***	40-60	
5. M/s China Haohua Chemical Industry Group, Tianzhu Chemical Industry Co. Ltd. (Tianzhu) through M/s Guangzhou Chemicals Import & Export Corporation	***	20-40	
6. M/s Hunan Wanfeng Chemical Co. Ltd. (Wanfeng) through M/s. Hunan Mint Imp & Exp Co. Ltd. (Mint)	***	10-20	
7. All other Chinese producers/exporters except as mentioned above	***	80 - 100	

**O. Conclusions:**

146. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority notes that the product under consideration has been exported to India from the subject country below its associated Normal value, thus resulting in dumping of the product. The domestic industry has suffered material injury in respect of the subject goods. The material injury has been caused by dumped imports of the subject goods from the subject country.

**P. Indian industry's interest & other issues**

147. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate 'injury' caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the subject goods to the consumers.

148. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. With a view to minimize the impact on the downstream industry, the Authority has considered it appropriate to recommend anti-dumping duty based on the

lower of the dumping and injury margins. The Authority notes that the imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

**Q. Recommendations**

149. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the Act and the AD Rules and having established definitively positive dumping margins concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject country and as well as material injury thereof to the domestic industry caused by such dumped imports; the Authority is of the view that imposition of definitive duty is required to offset the dumping and 'injury' in the instant matter. Therefore, the Authority considers it necessary to recommend imposition of definitive anti-dumping duties concerning imports of the subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.

150. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the antidumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed concerning all imports of the subject goods originating in or exported from the subject country.

S.No.	Heading/ Subheadin g	Description of goods	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Current
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	28366000	Barium Carbonate	China PR	China PR	M/s Guizhou Redstar Developing Co. Ltd.	M/s Guizhou Redstar Developing Import & Export Co. Ltd.	210.33	MT	US \$
2.	28366000	Barium Carbonate	China PR	China PR	M/s Guizhou Redstar Developing Dalong Manganese Industry Co. Ltd.	M/s Guizhou Redstar Developing Import & Export Co. Ltd.	205.92	MT	US \$
3.	28366000	Barium Carbonate	China PR	China PR	M/s Guizhou Hongtai Chemical Co. Ltd.	M/s Anhui Garments Shoes & Caps Industrial (Group) Co.	122	MT	US \$
4.	28366000	Barium Carbonate	China PR	China PR	M/s China Haohua Chemical Industry	M/s China Haohua Chemical Industry	147.88	MT	US \$

					Group, Tianzhu Chemical Industry Co. Ltd. (Tianzhu)	Group, Tianzhu Chemical Industry Co. Ltd. (Tianzhu)			
5.	28366000	Barium Carbonate	China PR	China PR	M/s China Haohua Chemical Industry Group, Tianzhu Chemical Industry Co. Ltd. (Tianzhu)	M/s Guangzhou Chemicals Import & Export Corporation	102.19	MT	US \$
6.	28366000	Barium Carbonate	China PR	China PR	M/s Hunan Wanfeng Chemical Co. Ltd.	M/s Hunan Mint Imp & Exp Company, Ltd.	76.06	MT	US \$
7.	28366000	Barium Carbonate	China PR	China PR	Any other than combination at Sr. No.1 to 6.		236	MT	US\$
8.	28366000	Barium Carbonate	Any other than China PR	China PR	Any	Any	236	MT	US \$
9.	28366000	Barium Carbonate	China PR	Any other than China PR	Any	Any	236	MT	US \$

151. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under Sections 3, 3A, 8B, 8C, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
152. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

P. K. CHAUDHERY, Designated Authority